आश्विन शुक्ल पक्ष-04, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 104 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
06 अक्टूबर 2024 रविवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
22 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

Page- 7

## दुकान में आग से परिवार के 7 लोगों की मौत

**मुंबई , एजेंसी।**

आज तड़के चेंबूर इलाके में एक बड़े हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। यहां एक दुकान में सुबह पांच बजे की है। मरने वालों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना चेंबूर की सिद्धार्थ कॉलोनी की है। हादसे में मारे गए लोगों की पहचान पारिस गुप्ता (7), नरेंद्र(10), मंजू (30), प्रेम गुप्ता (30) अनिता गुप्ता (30) विधि (15 ) और गीता देवी (60 के रूप में हुई है। घटना चेंबूर पूर्व के एएन गायकवाड़ मार्ग पर सुबह 5 बजे के करीब घटी। बीएमसी ने बताया कि आग ग्राउंड फ्लोर पर मौजूद दुकान में लगी थी और ऊपर मकान में परिवार रहता था। दुकान की आग ऊपर मकान तक पहुंच गई, जिसकी चपेट में पूरा परिवार आ गया। आग भूतल पर स्थित दुकान में बिजली के तारों और अन्य उपकरणों में लगी और बाद में इसने ऊपरी मंजिल को भी अपनी चपेट में ले।

## हरियाणा में चुनावी झड़पों के बाद तनाव, फोर्स तैनात

**चंडीगढ़ , एजेंसी।**

विधानसभा चुनाव के दौरा कल मतदान के दौरान हरियाणा में 30 से अधिक स्थानों पर विवाद और झड़प की घटना के बाद तनाव आज भी कायम है। इसमें तीन जगह बवाल हुआ था। कांग्रेस प्रत्याशी आफताब अहमद और इनेलो-बसपा प्रत्याशी जाकिर हुसैन के समर्थकों के बीच पथराव हो गया। इसमें 2 लोग घायल हुए हैं। बवाल को देखते हुए चंदेनी, ख्वाजा कलां और गुलालता में पुलिस बल की तैनाती है। रोहतक के महम हलके में कांग्रेस प्रत्याशी और हरियाणा जनसेवक पार्टी (हजपा) प्रत्याशी के समर्थकों के बीच हाथापाई हुई। इसमें हजपा प्रत्याशी व विधायक बलराज कुंडू के कपड़े फट गए। इसके अलावा जींद के जुलाना हलके के गांव अकालगढ़ में भाजपा प्रत्याशी योगेश बैरागी से धक्का-मुक्की हुई।

## कांग्रेस ने भी उपचुनाव मोर्चा खोला, यादव-सिंह को जिम्मा

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

मप्र की बुधनी व विजयपुर सीट पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने भी तैयारी शुरू कर दी है।

एआईसीसी ने बुधनी में पूर्व केंद्रीय मंत्री अरूण यादव को प्रभारी बनाया है, जबकि विजयपुर का जिम्मा राज्यसभा सदस्य अशोक सिंह के सुपुर्द होगा। गौरतलब है कि हाल में भाजपा की राज्य सरकार ने विजयपुर के आदिवासी भाजपा नेता सीताराम को राज्यमंत्री का दर्जा दिया है। विजयपुर में सरकार के मौजूदा मंत्री रामनिवास रावत चुनाव लडेंगे,वे चार महीने पहले कांग्रेस छोडकर भाजपा में शामिल हुए हैं,इसलिये कांग्रेस विजयपुर में ज्यादा आक्रामक है।

### शिक्षाभूषण अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान समारोह

# सीएम ने कहा-इस दौर में गुरु-शिष्य परम्परा स्थापित करने की जरूरत

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि गुरू-शिष्य परम्परा को स्थापित करने की पहल जरूरी है। वे आज यहां 'राष्ट्र हित में शिक्षा- शिक्षा के हित में शिक्षक और शिक्षक के हित में समाज' के उद्देश्य से मप्र शिक्षक संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शैक्षिक फाउंडेशन और अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री ने शिक्षाभूषण अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान के तहत कई शिक्षकों को सम्मानित किया। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सुरेश सोनी, स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, स्वामी उमेशनाथ तथा सम्मानित होने वाले शिक्षक प्रोफेसर केके अग्रवाल, रामचंद्र आर, प्रो कुसुमलता केडिया उपस्थित रहे।

इससे पहले आज सुबह मुख्यमंत्री यादव ने पद्मश्री अवार्डी दुर्गाबाई के कोटरा सुल्तानाबाद स्थित निवास पहुंचकर उनसे भेंट की तथा कुशलक्षेम पूछी। मुख्यमंत्री ने पुष्पगुच्छ भेंट किया तो दुर्गाबाई ने तिलक कर उनका अपने आवास पर स्वागत किया। मुख्यमंत्री भाजपा के सदस्यता अभियान के तहत यहां पहुंचे थे। उनके साथ भाजपा नेता व विधायक सबनानी भी थे।

### कई पौराणिक उदाहरणों से सीएम ने रखी बात

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कई धार्मिक व पौराणिक उदाहरण देते हुए कहा कि जब भी हमारी व्यवस्था में कमी रहती है तो कोई मार्गदर्शन करने वाला आता है। उन्होंने शिक्षा की महत्ता पर भी सांदिपनी आश्रम का उल्लेख भी किया और कहा कि गुरू-शिष्य परम्परा और शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक कार्य और विचार की जरूरत है।

### सदस्यता मिशन भी जारी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संगठन पर्व के दूसरे चरण के अधिकतम सदस्यता दिवस पर रविवार को पद्मश्री अवार्डी दुर्गा बाई के निवास पहुंचकर उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी एवं जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि भाजपा का सदस्यता अभियान इस समय अंतिम दौर में है और पार्टी पिछले बार से ज्यादा सदस्य बनाने की कोशिश में जुटी है। विधायकों को भी सदस्यता के लक्ष्य बांटे गए हैं।

## रामलीला:राम का किरदार निभा रहे अभिनेता को हार्ट अटैक, मौत

**नई दिल्ली , एजेंसी।**

राजधानी के शाहदरा इलाके में नवरात्रि के अवसर पर रामलीला मंचन के दौरान भगवान राम का रोल निभा रहे कलाकार को अचानक सीने में दर्द उठा, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान सुशील कौशिक के रूप में हुई है, वे पेशे से प्रॉपर्टी डीलर थे। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें सुशील कौशिक भगवान राम का रोल निभाते हुए बाकायदा डायलॉग बोल रहे हैं। इस दौरान भगवान राम किसी से प्रार्थना कर रहे हैं, लेकिन इसी बीच उनके दिल में दर्द उठता है और वो अपने हाथ दिल पर रख लेते हैं तथा मंच से पीछे चले जाते हैं। पुलिस के मुताबिक, सुशील कौशिक को मंच पर ही हार्ट अटैक आया।

## जानी मास्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार केंद्र ने वापस लिया

**नई दिल्ली , एजेंसी।**

हाल में रिलीज फिल्म 'स्त्री 2' का सुपरहिट गाना 'आई नहीं' के कोरियोग्राफर शेख जानी बाशा उर्फ जानी मास्टर की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जानी मास्टर 19 सितंबर से रेप के आरोप में जेल में बंद हैं। मास्टर को 'मेघम करुक्कथा' गाने के लिए 'बेस्ट कोरियोग्राफी कैटेगरी' में मिलने वाला नेशनल अवॉर्ड वापस ले लिया गया है। सूचना प्रसारण मंत्रालय के फिल्म पुरस्कार सेल ने ऐलान किया है कि जानी मास्टर का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार निलंबित कर दिया गया है। जानी को दिया इनविटेशन भी रद्द कर दिया है।

## इजरायल अब फ्रांस पर आगबबूला लेबनान का गैस स्टेशन उड़ाया

**बेरून , एजेंसी।**

**सीरिया भागने के रास्ते बंद किए**

बदले पर आमदा इजरायल ने लेबनान की राजधानी बेरूत में एक फ्रांसीसी मल्टीनेशनल कंपी टोटल एनर्जी गैस स्टेशन को निशाना बनाया है। इजरायल की ओर से ये हमला ऐसे समय में किया गया है जब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और नेतन्याहू के बीच जुबानी जंग चल रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बेरूत के दक्षिणी उपनगर में फ्रांसीसी कंपनी पर इजरायल ने हवाई हमला किया। हमले के बाद स्टेशन पर बड़े पैमाने पर आग लग गई, उधर इजरायल ने लेबनान से सीरिया भागने की कोशिश कर रहे लोगों की राह भी बंद कर दी हैं, वहां लगातार हमलों से लोग फंस गये हैं। गौरतलब है कि नेतन्याहू ने कहा था कि 'सभी सभ्य देशों' को इजरायल के साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए, उन्होंने वीडियो संदेश जारी कर मैक्रों के इजरायल पर हथियार प्रतिबंध लगाने के आह्वान को 'शर्मनाक' बताया। नेतन्याहू के बयान के तुंरत बाद ही मैक्रों के ऑफिस ने सफाई दी और कहा कि फ्रांस इजरायल का पक्का दोस्त है।

## मंगल ग्रह पर रोवर के पहिए पंक्चर..!

**वाशिंगटन , एजेंसी।**

मंगल ग्रह पर नासा के क्यूरियोसिटी रोवर के पहिए 'पंक्चर' होते दिख रहे हैं। नासा की नई तस्वीरों में दिख रहा है कि मार्स रोवर के पहिए में कई बड़े छेद हैं। 12 साल से यह रोवर मंगल ग्रह पर घूम रहा है। यह तस्वीरें रोबोट में हुए नुकसान को दिखाती हैं। क्यूरियोसिटी रोवर पहली बार 5 अगस्त 2012 को मंगल ग्रह पर पहुंचा था। शुरुआत में इसके केवल दो साल तक काम करने की उम्मीद थी। लेकिन इस रोवर ने अपनी मजबूती साबित की और उम्मीद से बढ़कर काम किया। खबरों के मुताबिक वैज्ञानिकों ने क्यूरियोसिटी रोवर के जरिए मंगल ग्रह का अध्ययन किया। रोवर ने कई तरह की अनोखी चीजों को भी देखा है। इनमें से एक किताब के आकार की चट्टान, एक खनिज फूल है। इमेजर की ओर से ली गई तस्वीर को नासा ने 24 सितंबर को जारी किया। इसमें दिखता है कि लंबे समय तक यात्रा के कारण रोवर के दाहिने पहिए में एक छेद हो गया है। तस्वीरों में पहिए में खरोचों के साथ कई बड़े घाव दिखते हैं।

**मेट्रो एंकर**

**मप्र के ब्रांड एंबेसडर भी हैं**

## सोलर गांधी की सादगी और फटे मोजों पर जवाब ने जीता दिल

**मुंबई, एजेंसी।**

हाल में सोशल मीडिया पर दिल्ली के एक 5 स्टार होटल में बैठे शख्स की तस्वीर ने जबर्दस्त चर्चा बटोरी है। यह शख्स फटे मोजे पहने हुए नजर आता है और बहुत कंफर्टेबल भी नजर आ रहा है। इस तस्वीर को देखकर इंटरनेट यूजर्स ने कई सवाल पूछे कि आखिर ऐसा क्यों? मगर जब लोगों को इस शख्स के बारे में पता चला तो सादगी के कायल हो गये। दरअसल यह कोई और नहीं, आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी हैं। जो पिछले 20 साल से आईआईटी बॉम्बे में टीचिंग कर रहे हैं। उन्हें 'सोलर मैन ऑफ इंडिया' या सोलर गांधी के नाम से भी पहचाना जाता है और वे मप्र की सोलर एनर्जी परियोजना के ब्रांड एंबेसेडर भी हैं।

जब प्रोफेसर सोलंकी की तस्वीर खूब चर्चा बनी तो उन्होंने अब इस तस्वीर पर जवाब दिया है। उन्होंने अपने इस थोड़े अजीब ड्रेसिंग सेंस की वजह भी बताई। उन्होंने बताया कि यह फोटो उस समय ली गई थी, जब वह 25 सितंबर को द इकोनॉमिक टाइम्स एनर्जी लीडरशिप समिट में हिस्सा लेने दिल्ली पहुंचे थे। होटल हयात में समिट के दौरान किसी ने यह तस्वीर क्लिक कर ली। उल्लेखनीय है कि प्रो सोलंकी पिछले कुछ दशक से पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाने के मिशन पर हैं। वह सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए 20 राज्यों में 43000 किलोमीटर से अधिक की यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने कहा, 'हां मेरे फटे मोजे उजागर हो गए। मुझे इसे बदलने की जरूरत है। मैं नए मोजे खरीद सकता हूं. लेकिन प्रकृति ऐसा नहीं कर सकती। प्रकृति में सब कुछ सीमित है। उनका आाशय यह था कि वह अपने मोजे बदलने का खर्च उठा सकते हैं, लेकिन प्रकृति और अधिक बर्बादी बर्दाश्त नहीं कर सकेगी। सोलंकी ने कहा कि वह जो भी चीज खरीदते हैं, उसका पर्याप्त इस्तेमाल करने का सचेत प्रयास करते हैं। सोलंकी का जन्म मध्य प्रदेश के खरगौन जिले के एक बेहद ही सामान्य परिवार में हुआ था, उन्होंने अपनी तीसरी कक्षा तक पढ़ाई अपने गांव झिरन्या (भीकनगांव,मध्यप्रदेश) में की. इसके बाद आगे की पढ़ाई पूरी करने के लिए इंदौर चले गए।

### कार्बन फुटप्रिंट कम तो हों...

प्रो सोलंकी मप्र की सोलर वे कहते हैं कि मैं अपनी प्रोडक्टिविटी बढ़ाने के लिए सबसे अच्छे गैजेट का इस्तेमाल कर सकता हूं लेकिन अपने कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए कम से कम सामग्री का इस्तेमाल करने का प्रयास करता हूं। अब यूजर्स उनके जवाब के कायल हो गये हैं। सोलंकी ने कहा कि जिस तरह व्यवसायी हर निवेश पर अपना लाभ बढ़ाना चाहते हैं, उसी तरह वह एक 'सामाजिक कार्यकर्ता' के रूप में 'अपने समय के प्रभाव' को अधिकतम करना चाहते हैं।

राजधानी के रोशनपुरा चौराहे पर न्यू मार्केट व्यापारी संघ की आकर्षक दुर्गा की झांकी का दृश्य

भोपाल के जवाहर चौक पर दुर्गा जी की झांकी पर श्रद्धालुओं की भीड

### गरबा-डांडिया आयोजन को लेकर दिशा-निर्देश

# गरबा महोत्सव : बिना पहचान पत्र के प्रवेश की नहीं रहेगी अनुमति

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

दुर्गा उत्सव 2024 के दौरान भोपाल जिले में होने वाले गरबा, डांडिया और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए कलेक्टर ने आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। इन आदेशों का पालन करना आयोजन समितियों के लिए अनिवार्य है, अन्यथा कानूनी कार्यवाही की जाएगी। आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि सभी आयोजन समितियों को आयोजन स्थल पर प्रवेश के लिए पहचान पत्र की अनिवार्यता रखनी होगी। इसके अलावा, सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था और अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता भी अनिवार्य होगी। आयोजन समितियों को निम्नलिखित व्यवस्थाओं का पालन करना होगा।

## विभागों को दी अलग-अलग जिम्मेदारी

कलेक्टर ने संबंधित विभागों को दुर्गा उत्सव के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में भी निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें पुलिस आयुक्त, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग और अन्य संबंधित अधिकारियों को विभिन्न सुरक्षा और व्यवस्थाओं के पालन की जिम्मेदारी दी गई है। कलेक्टर ने आदेशित

किया है कि सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें ताकि दुर्गा उत्सव 2024 का आयोजन शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न हो सके।

**पुलिस आयुक्त:** उत्सव के दौरान कानून व्यवस्था और सुरक्षा का समुचित प्रबंध किया जाएगा।

**नगर निगम :** साफ-सफाई, विसर्जन घाटों पर गोताखोरों और अग्निशमन वाहनों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

## इन निर्देशों का पालन अनिवार्य

- प्रवेश व्यवस्था: किसी भी व्यक्ति को बिना पहचान पत्र के आयोजन स्थल पर प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- सीसीटीवी कैमर: आयोजन स्थल पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी होनी चाहिए।
- अग्नि सुरक्षा: पंडालों में अग्निशमन यंत्रों की पर्याप्त व्यवस्था के साथ फायर सेफ्टी नियमों का पालन किया जाना आवश्यक है।
- प्राथमिक चिकित्सा: आयोजन स्थल पर प्राथमिक चिकित्सा की सुविधाएं अनिवार्य रूप से होनी चाहिए।
- संदिग्ध वस्तुओं की रोकथाम- आयोजन स्थल पर संदिग्ध वस्तुएं या धारदार हथियार लाने और प्रदर्शित करने की सख्त मनाही होगी।
- विद्युत सुरक्षा: आयोजन स्थल की विद्युत सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य है।

## आरटीई की फीस प्रतिपूर्ति अटकी

# नाराज स्कूल संचालक 8 से करेंगे धरना-प्रदर्शन

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

आरटीई की फीस प्रतिपूर्ति को लेकर परेशान निजी स्कूलों ने अब आंदोलन का रास्ता पकड़ लिया है। 8 अक्टूबर से राज्य शिक्षा केंद्र के सामने स्कूल संचालक धरना-प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान अलग-अलग निर्धारित जिलों से स्कूल संचालक राज्य शिक्षा केंद्र पहुंचेंगे। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अजीत सिंह का कहना है कि, अभी तक 60प्रतिशत विद्यार्थियों की फीस प्रतिपूर्ति नहीं हो पाई है।

राज्य शिक्षा केंद्र 3 वर्ष पूर्व शिक्षा अधिकार अधिनियम के अंतर्गत अध्यनरत बच्चों की फीस प्रतिपूर्ति करने में फिसडी साबित हुआ ।

संचालक राज्य शिक्षा केंद्र ने आश्वासन दिया था कि सितंबर माह के अंत तक पूरे प्रदेश की प्रतिपूर्ति हो जाएगी, लेकिन आज दिनांक तक एक भी बच्चे की नहीं हुई। बार-बार मिलने पर यही आश्वासन मिलता है कि बजट नहीं है । यदि यही स्थिति बनी रही तो अशासकीय विद्यालय संचालक आरटीई के बच्चों को आगे की शिक्षा देने के लिए विचार करेंगे, क्योंकि प्रत्येक विद्यालय में 100 से लेकर 500 तक बच्चे पढ़ रहे हैं।

## बच्चों को शिक्षिकाओं ने नाटक से समझाया गुड टच बैड टच

**हिरदाराम नगर।** विद्यासागर पब्लिक स्कूल में बैगलेस डे पर होने वाली गतिविधियों में कक्षा केजी 1 एवं 2 के विद्यार्थियों को उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गुड टच एवं बैड टच की शिक्षा दी गई। शिक्षिकाओं ने बच्चों के सम्मुख गतिविधि एवं नाटिका प्रस्तुत करते हुए बहुत आसान तरीके से बच्चों को समझाया कि जब आपके माता-पिता या दादा-दादी आपको प्यार करते हैं, आपके माथे पर या गाल पर चूमते हैं तो वो गुड टच होता हैं लेकिन इनके अलावा कोई और आपको छूता है या चूमता है तो वह बेड टच होता है। प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी ने भी बच्चों को उनकी सुरक्षा से संबंधित कई बातों की जानकारी दी।

## परिणाम घोषित

# कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगेंगी

**हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।**

दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल का त्रैमासिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इस अससर पर पेरेंट्स टीचर मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों के अभिभावकों ने अपने बच्चों के सम्बन्ध में शिक्षकों से जानकारी प्राप्त की तथा अपने स्कूल के अनुभवों को शिक्षकों से आदान प्रदान किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर.के. मिश्रा ने सभी अभिभावकों से उनके सुझाव और समस्याओं को लेकर बातचीत की।

तत्पश्चात संस्था के सचिव बसंत चेलानी एवं कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव ने सभी शिक्षकों की मीटिंग ली।

# वन संरक्षण सप्ताह : प्रतियोगिताएं नवनिध की छात्राएं विजेता, राज्यपाल कल करेंगे पुरस्कृत

**हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।**

राष्ट्रीय उद्यान वनविहार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वन संरक्षण सप्ताह में आयोजित अंतर्विद्यालयीन प्रतियोगिताओं नवनिध की छात्राओं ने प्रथम व द्वितीय स्थान हासिल किया।

विद्यालय की रोशनी आसवानी और दिव्या अटनेरिया ने वन विहार राष्ट्रीय उद्यान द्वारा आयोजित इंटर-स्कूल वाद-विवाद प्रतियोगिता में विद्यालय

दिव्या | रोशनी | लक्ष्या | नूपुर

का प्रतिनिधित्व किया, जिसका विषय था- विलुप्तप्राय प्रजातियों का संरक्षण आर्थिक विकास से अधिक महत्वपूर्ण है। इसमें रोशनी आसवानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सप्ताह में कथा वाचन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था, जिसमें प्रतिभागियों ने दिए गए चित्रों को देखकर अपनी कल्पना के आधार पर निर्धारित समय (10 मिनट) में कहानियाँ बनाई और प्रस्तुत कीं। प्रतियोगिता में कक्षा आठवीं की लक्ष्या सिंह ने जूनियर कैटेगरी (कक्षा 6 से 9) में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कक्षा दसवीं नूपुर लालवानी ने सीनियर कैटेगरी (कक्षा 10 से 12) में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को राज्यपाल सात अक्टूबर क आयोजित समारोह में सम्मानित करेंगे।

# महिलाओं ने बांधे एक दूसरे को रक्षा सूत्र

**हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।**

## वर्ल्ड सिस्टर हुड डे

विमल विद्या मंदिर स्कूल में मदर्स आर्मी मध्यप्रदेश (ऑल लेडीज़ लीग) द्वारा रक्षा सूत्र बाँध के वर्ल्ड सिस्टरहुड डे मनाया गया। यह दिन महिलाओं के बीच एकता, समर्थन और सशक्तिकरण की भावना को मनाने का अवसर है, जिसमें महिलाओं ने एक-दूसरे को शक्ति बंधन की राखी बाँधी। कार्यक्रम में पार्षद कुसुम चतुर्वेदी फ़िटनेस इंफ्ल्युएंसर विनीता तोमर ने महिलाओं को एकजुट, स्वस्थ और सकारात्मक रहने के लिये प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में मध्यप्रदेश स्टेट प्रेसिडेंट मदर्स आर्मी हर्षिता शास्त्री ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉली बेलनी, बबली रघुवंशी, ऊषा सिंह, भावना, शीलमणि, ज्योति, राशि एवं अन्य महिलायें उपस्थित थीं।

# संत गर्ल्स कॉलेज में सेमिनार कल 100 स्टूडेंट्स लेंगे भाग

**हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।**

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज, संतनगर में रिसर्च कमेटी द्वारा अनलॉकिंग रिसर्च पोटेंशियल मेथडोलॉजी एंड केस स्टडी विषय पर सेमिनार का आयोजन किया जाएगा, जो सात अक्टूबर को होगा। सेमिनार में विभिन्न महाविद्यालयों के 100 स्टूडेंट्स हिस्सा लेंगे। सेमिनार में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. ए. हुंडेत, प्रोफेसर, भौतिक विभाग, आई.क्यू.एस.सी. समन्वयक एक्सीलेंस कॉलेज भोपाल एवं डॉ. रविंद्र पाठक प्रोफेसर एवं डीन, वाणिज्य विभाग, रविंद्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल उपस्थित रहेंगे। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि अनुसंधान एक सर्जनात्मक और व्यवस्थित प्रक्रिया है। आधुनिक समय में अनुसंधान समाज और अर्थव्यवस्था के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बन चुका है।

## मेट्रो एंकर | सिंधी सांस्कृतिक सिंधी गरबा महोत्सव का आगाज

# गरबा उत्सव: झूलेलाल की पालकी के साथ आए गरबा प्रेमी

**हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।**

सिंधी समाज के हजारों कदमों ने थिरकते हुए मां जगदंबे की उत्सवी साधना का आगाज किया। मां दुर्गा की आरती एवं भगवान झूलेलालजी के बहिराणा साहिब की ज्योत प्रज्ज्वलन के बाद लालघाटी स्थित सुंदरवन गार्डन में सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित सांस्कृतिक सिंधी महोत्सव 2024 की शनिवार को शुरूआत हुई।

आरती के बाद जैसे ही गरबे के संगीत की धुन बजी, इसके बाद पूरा पंडाल डांडिया की खनक से गूंज उठा। पार्टिसिपेंट्स ने अपने सर्कल में गरबा शुरू किया, किसी प्रतिभागी ने राजस्थानी जैकेट पहनी, तो कोई गुजराती ट्रेडिशनल ड्रेस में नजर आया। एक प्रतिभागियों का समूह भगवान झूलेलाल की पालकी लेकर पहुंचा जो पूरे गरबे में आकर्षण का केंद्र दिखाई दे रहा था, एक प्रतिभागी राधाकृष्ण का गेटअप धारण किय हुआ, सभी प्रतिभागी गरबे में इन्द्रधनुष की तरह अलग रंगो के स्वरूप में

दिखाई दे रहे थे।हर कोई नाचने-झूमने में मस्त था। यहां आने वालों ने फूड जोन में पहुंचकर सिंधी व्यंजनों के साथ साथ अलग अलग जायकों का लुफ्त उठाया। इसके अलावा दर्शक दीर्घा में भी लोगों ने इस पारिवारिक सांस्कृतिक गरबे को खूब इंजॉय किया।

## महामंडलेश्वर रहे मौजूद

सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी व महासचिव नरेश तलरेजा ने बताया कि गरबे के प्रथम दिवस पर शनिवार को पहले दिन महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 दादूजी महाराज (शनि साधक)जी, धारावाहिक नागिन की फेम एवं फिल्म कलाकार महक चहल, अहमदाबाद से मंकी मैंन (जैकी वाधवानी) विशेष रूप उपस्थित रहे।

## राम भगवान निकले भ्रमण के लिए

शहर में हर तरफ़ माँ दुर्गे की आराधना और गरबे की धूम मची हुई है, एक साथ एक ताल पर थिरक रहे हैं हज़ारों कदम इसी कड़ी में भोपाल के जाने माने शिक्षाविद आनंद सबधाणी ने भी पंडाल में महाआरती के उपरांत पारंपरिक वेशभूषा में गरबा और डांडिया नृत्य किया। आनंद ने बताया यह वर्ष पूर्ण रूप से राम लला को समर्पित है, आज ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जैसे राम भगवान अयोध्या से भोपाल भ्रमण के लिए निकले हैं हमारे पंडाल और हम सभी पर उनका आशीर्वाद बरसा रहे हैं।

### दमोह के सिंग्रामपुर में हुई मोहन कैबिनेट की बैठक

# पर्यटन सर्किल से जुड़ेगा दमोह, नई हवाई पट्टी बनेगी, जबलपुर में रानी दुर्गावती का म्यूजियम बनेगा

**भोपाल/दमोह. दोपहर मेट्रो।**

मध्यप्रदेश सरकार अब जैन कल्याण बोर्ड का गठन करेगी। देश में अपने प्रकार का यह पहला बोर्ड होगा। बोर्ड के गठन से जैन समाज के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास को गति मिल सकेगी। मोहन यादव कैबिनेट ने जैन कल्याण बोर्ड के गठन को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में दमोह जिले के सिंग्रामपुर में वीरांगना रानी दुर्गावती के अभूतपूर्व योगदान के सम्मान में कैबिनेट बैठक में लिए इस निर्णय के अनुसार बोर्ड में एक अध्यक्ष और दो सदस्य होंगे। बोर्ड में दो वर्ष श्वेतांबर और दो वर्ष दिगंबर समाज के कार्यकाल को निर्धारित किया जाएगा। इसके अलावा कैबिनेट ने रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना में अधिकतम 3900 रुपये प्रति हेक्टेयर अतिरिक्त सहायता राशि की स्वीकृति दी। योजना वर्ष 2024-25 अंतर्गत गठित महासंघ द्वारा क्रय कोदो-कुटकी पर किसानों को महासंघ द्वारा भुगतान किए गए न्यूनतम क्रय मूल्य के अतिरिक्त यह सहायता राशि डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से किसानों के खाते में दिए जाने का निर्णय लिया। बैठक में लगभग 22 मंत्री उपस्थिति रहे। चिकित्सा शिक्षा एवं लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित छह स्वशासी नर्सिंग प्रशिक्षण संस्थानों को शासकीय नर्सिंग प्रशिक्षण संस्थान में परिवर्तित कर स्वशासी नर्सिंग महाविद्यालय के लिए पूर्व से स्वीकृत सभी 428 पदों को विभाग के सेवा भर्ती नियम अंतर्गत प्रशासित किया जाएगा।

**सीएम ने किया सीएस का स्वागत:** मुख्यमंत्री ने मंत्रिपरिषद की ओर से नवागत मुख्य सचिव अनुराग जैन का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय और भारत सरकार के महत्वपूर्ण विभागों में कार्य करने के अनुभव का लाभ मध्य प्रदेश को मिलेगा। बैठक में सेवानिवृत मुख्य सचिव वीरा राणा के प्रति कैबिनेट ने आभार जताया।

## जैन कल्याण बोर्ड का गठन, श्रीअन्न को प्रोत्साहन व गोंडवाना इलाके में पर्यटन

## दमोह मे हवाई पट्टी बनेगी

रानी दुर्गावती के जनकल्याण को मोहन सरकार जमीन पर उतारने की दिशा में आगे बढ़ी है। इसके लिए दमोह को पर्यटन सर्किल से जोड़कर यहां नई हवाई पट्टी बनाई जाएगी, ताकि देशी विदेशी पर्यटक उस सिंगौरगढ़ किले तक आसानी से आ जा सके, जहां से रानी दुर्गावती ने साहस, जनकल्याण वाले राज्य को चलाया था। रानी के जनकल्याण मॉडल को जमीन पर उतारने के लिए जबलपुर की मदन महल पहाड़ी पर 100 करोड़ से भव्य म्यूजियम बनाया जाएगा। मंडला की विशेष सशस्त्र पुलिस बल (एसएएफ) की 35वीं बटालियन का नाम उनके नाम से करने को भी मंजूरी दी गई।

## कैबिनेट बैठक में इन विषयों पर भी चर्चा

- विजयादशमी को शस्त्र पूजा कार्यक्रम लोकमाता देवी अहिल्या बाई के नाम पर करेंगे। मुख्यमंत्री देवी अहिल्या बाई के शासन स्थल महेश्वर में शस्त्र पूजन कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। मंत्री अपने विधानसभा क्षेत्र और जिले के कार्यक्रमों में शामिल होंगे।
- शक्ति अभिनंदन अभियान 11 अक्टूबर तक जिला, विकासखण्ड एवं ग्राम स्तर तक चलेगा।
- मप्र में निवेश बढ़ाने के लिए हैदराबाद में 16 अक्टूबर को रोड शो होगा।
- भोपाल में 17 और 18 अक्टूबर को माइनिंग कॉन्क्लेव और 23 अक्टूबर को में रीवा रीजनल इन्वेस्टर मीट करेंगे।
- सागर में हुए इन्वेस्टर मीट से लगभग 23181 करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव मिलने व 23375 रोजगार सृजन की संभावना है। 10 राज्यों के 3500 निवेशकों ने सहभागिता की। 96 इकाईयों के आशय पत्र जारी किए, 240 एकड़ भूमि आबंटित की।
- मप्र की बेरोजगारी दर अन्य राज्यों में सबसे कम 2.6 फीसद रही।
- विभाग भी अपना विजन डाक्यूमेंट तैयार करेंगे, मंत्री निगरानी करेंगे।

# दो माह से अतिशेष व्यवस्था में उलझा विभाग

## शिक्षकों की दांवे-आपत्तियां सुनना शुरू

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

अतिशेष शिक्षकों को रिक्त स्कूलों में भेजने की प्रक्रिया स्कूल शिक्षा विभाग दो माह में भी पूरी नहीं कर सका है। शिक्षक सगठनों की ओर से विरोध प्रदर्शन होने के बाद अब ने नाराज अतिशेष शिक्षकों की दांवे-आपत्तियां सुनना शुरू कर दी हैं। दांवे-आपत्तियों के आवेदन 11 अक्टूबर तक लिए जाएंगे। इसके लिए संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया है, जो अभ्यावेदन का परीक्षण करेगी और संकुल प्राचार्य से दस्तावेज लेकर निर्णय लेगी। 14 से 18 अक्टूबर तक अभ्यावेदनों का निराकरण कर आदेश जारी किए जाएंगे।

**आवेदन 11 अक्टूबर तक, संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण की अध्यक्षता में कमेटी का गठन**

अतिशेष शिक्षकों के समायोजन की प्रक्रिया से शिक्षक संतुष्ट नहीं हैं। वे कई स्तर पर गड़बड़ी की शिकायत कर चुके हैं। संचालक लोक शिक्षण केके द्विवेदी ने शिक्षकों से कहा है कि आप जो भी आपत्ति कर रहे हैं, उसके प्रमाण के जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आवेदन देना होगा। इसके लिए एक समिति का गठन किया गया है। अभ्यावेदन पर सुनवाई के लिए शिक्षक को समिति के सामने बुलाया जाएगा, जहां उसे आपत्ति के समर्थन में तथ्य प्रस्तुत करने होंगे। किसी मामले में संकुल प्राचार्य गलत जानकारी देते हैं, तो उनकी जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। उल्लेखनीय है कि काउंसलिंग में अब तक 10015 प्राथमिक, 4136 माध्यमिक और 1191 उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षकों ने उपस्थित होकर नवीन पदस्थापना के लिए स्कूल का चयन किया है। इनमें से 15 हजार के पदस्थापना आदेश जारी किए गए हैं, जिनमें से 10 हजार ने चयनित स्कूलों में अपनी ऑनलाइन ज्वाइनिंग दे दी है।

### दो दिन पहले डीईओ-डीपीसी का घेराव

दो दिन पहले गुरुवार को तो भोपाल में विज्ञान विषय के शिक्षकों ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और लोक शिक्षण संचालनालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। ऐसे ही हालात प्रदेश के अन्य जिलों में हैं, जिसे देखते हुए लोक शिक्षण संचालनालय ने फिर से आपत्ति सुनने का निर्णय लिया है। संचालक ने कहा है कि काउंसिलिंग से पहले भी शिक्षकों की आपत्तियां सुनी गई हैं, फिर भी कुछ शिक्षक संतुष्ट नहीं हुए हैं और वे विभिन्न स्तर पर अपने अभ्यावेदन दे रहे हैं, जिन्हें यह मौका दिया गया है।

# किसानों को मिली तीन सौगत, खेती को लाभ का धंधा बनाने मिलेगी मदद

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

किसानों को सरकार ने तीन बड़ी सौगातें दी है। इसमें किसान सम्मान निधि की राशि, धान, ज्वार व बाजरा खरीदी के लिए पंजीयन की तारीख में बढ़ोतरी और कोल्ड स्टोरेज निर्माण के लिए अनुदान की प्रक्रिया में तेजी लाने का भरोसा शामिल है। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि किसानों को कोल्ड स्टोरेज बनाने के लिए उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग मदद करेगा। किसान फूड प्रोसेसिंग इकाई भी लगा सकते हैं। असल में किसान नए-नए क्षेत्र में छोटे-बड़े उद्योगों को आमंत्रित कर रही है। इसके लिए जमीन व अनुदान दिया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार व बाजारा बेचने के लिए अब किसान 14 अक्टूबर तक पंजीयन करा सकेंगे। पूर्व में यह अवधि 4 अक्टूबर तय की थी। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि किसानों की सुविधा को देखते हुए पंजीयन

की उक्त तारीख को आगे बढ़ाया है। वहीं शनिवार को प्रदेश के 81 लाख किसानों को 20 हजार करोड़ रुपये मिले। यह राशि किसान सम्मान निधि के तहत सीधे उनके खाते में दी गई। जिस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया।

# उच्च शिक्षा आयुक्त सभी अतिरिक्त संचालकों के साथ करेंगे बैठक, कार्यों की रिपोर्ट तलब

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

उच्च शिक्षा आयुक्त 7 अक्टूबर को सभी अतिरिक्त संचालकों की समीक्षा बैठक लेंगे। यह समीक्षा बैठक कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा भोपाल के सभाकक्ष में दोपहर बाद 3 बजे से आयोजित होगी। इस बैठक में सभी अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा से 7 प्रमुख बिंदुओं पर विशेष चर्चा होगी, जिनमें प्रमुख रूप से संभाग के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, भूमिहीन महाविद्यालयों के लिए की गई कार्यवाही के साथ ही आउटसोर्स कर्मियों के भुगतान की स्थिति और जनभागीदारी समितियों की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा

विभाग में आई.टी. के नए अनुप्रयोग, संभागीय महाविद्यालयों में किए गए निरीक्षण, प्रवेश नवीनीकरण की महाविद्यालय वार कक्षावार स्थिति, कॉलेजों में अध्ययन की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। इस संबंध में विभाग ने सभी क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालकों को आदेश जारी कर दिए हैं। सभी क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश को निर्देशित किया गया है कि वह निर्धारित समय पर कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा भोपाल के सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में संभागवार अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थिति रहें।

## दिल्ली में कल नक्सलवाद पर होगा मंथन

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।** नक्सलवाद को खत्म् करने को लेकर कल सोमवार को दिल्ली में हाई लेवल मीटिंग होनी है, जो कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह लेंगे। इसमें मप्र समेत नक्सलवाद प्रभावित राज्य शामिल होंगे। बैठक में नक्सलवाद के समूचे खात्मे को लेकर अगली रणनीति पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इसमें हिस्सा लेंगे। प्रदेश के बालाघाट, मंडला, डिंडौरी जैसे जिलों में नक्सली गतिविधियां अभी भी चल रही है। हाल ही में बालाघाट में एजेंसियों ने एक महिला नक्सली को पकड़ा और उसकी निशानदेही पर हथियार बरामद कर जमीनी डिपो नष्ट किए थे। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार हाई लेवल बैठक में मप्र में नक्सलवाद पर कसी जा रही नकेल के बाद हुए सुधार पर तुलानात्मक चर्चा होगी, साथ ही कमियों पर भी फोकस रहेगा ताकि और तेजी से सुधार हो सके।

## वनग्राम और दूरस्थ क्षेत्रों में पदस्थ महिला शिक्षकों के लिए बनेंगे सरकारी आवास

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

प्रदेश में वनग्राम औ दूरस्थ क्षेत्रों में पदस्थ महिला शिक्षकों के लिए राज्य शासन द्वारा नजदीकी निकाय में मकान बनाए जाएंगे। इसको लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने प्रदेशभर के जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए है। लोक शिक्षण संचालक डीएस कुशवाह ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) से 7 दिन में भूमि का चयन कर प्रस्ताव मांगे हैं। आदेश में कहा गया है कि, विकासखंड, नगर पंचायत, नगर पालिका मुख्यालय स्तर पर 100 शिक्षकों के आवास के लिए बहुमंजिला भवन बनाएगा। इन आवासों का निर्माण बहुमंजिला फ्लेट के रूप में होगा। इसके लिए 3 से 5 एकड़ जमीन की आवश्यकता होगी। शिक्षिकाओं के लिए यह आवास उस स्थान पर बनाए जाएंगे, जहां से आवागमन सुलभ हो। कहीं भी जाने के लिए वहां से वाहन सुविधा हो और सड़क भी हो।

# प्रदेश में मोगली बाल उत्सव शुरू, 7-8 नवम्बर को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

स्कूल शिक्षा विभाग का मोगली बाल उत्सव की जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं प्रदेशभर में प्रारंभ हो गई है। इसके पहले सितम्बर माह में शाला, जनशिक्षा केन्द्र और विकासखण्ड स्तर पर प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया जा चुका है। मोगली बाल उत्सव जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण का एक संदेश है। मोगली बाल उत्सव में स्कूल शिक्षा विभाग राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के संयोग से प्रतियोगिता आयोजित करता है। इनमें ट्रेकिंग, सफारी, क्विज, फिल्म और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रमुख रूप से आयोजित किये जाते है। इस उत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रकृति का नजदीक से परिचय कराया जाता है। यह उत्सव न केवल प्रदेश में पूरे देश में प्रसिद्ध हो गया है। प्रतियोगिता के कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्ग बनाकर बच्चों की प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है। इन प्रतियोगिताओं में जल, जंगल और जमीन की ब?ती समस्या, प्रकृति संरक्षण का महत्व, हरित उत्पाद, प्रदेश की खनिज सम्पदा, ओजोन परत का क्षरण, पॉलिथीन के दुष्णप्रभाव, नदियों का संरक्षण, तपती धरती और जंगल क्यों नाराज है जैसे विषयों पर निबंध और भाषण प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है। जिला स्तर पर चयनित दो छात्र एवं दो छात्रा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भागीदारी करते है। मोगली बाल उत्सव का राज्य स्तरीय आयोजन पेंच अभ्यारण्य सिवनी में आयोजित होता है। यह आयोजन 7 और 8 नवम्बर को आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

दोपहर मेट्रो

# प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 06 अक्टूबर, 2024 epaper.dopaharmetro.com

# आकाशवाणी के वे दिन और वे साहित्यकार

***टीवी रेडियो के इस हिंसक दौर में कभी दूरदर्शन का सुरीला संगीत याद आता है कभी विविध भारती के मिश्री से मीठे गीत। अमीन सायानी साहब तो आज भी सबके दिल में बसे हुए हैं। आकाशवाणी का एक दौर या कहिये नेहरू से इंदिरा युग ऐसा भी था जब रेडियो के वायुमंडल में हिंदी साहित्य की भीनी-भीनी महक सर्वत्र थी। हिंदी साहित्य जिन साहित्यकारों से रोशन था उनकी उपस्थिति और स्वर्णिम प्रकाश से आकाशवाणी दमकती थी।***

■ अपूर्व गर्ग

आकाशवाणी के आभामंडल में पंतजी चाँद की तरह चमकते रहे तो ढेर सारे साहित्यकारों ने अपनी गरिमामय उपस्थिति से आकाशवाणी को खूबसूरत और समृद्ध किया। इनमें भगवतीचरण वर्मा, इलाचंद्र जोशी, अज्ञेय, नरेंद्र शर्मा, अमृतलाल नागर, उदय शंकर भट्ट ,बच्चन, रामचंद्र टंडन, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, लक्ष्मी नारायण लाल, विश्वम्भर मानव कैलाश चंद्र वर्मा, रमा नाथ अवस्थी, शांति मेहरोत्रा, विमला रैना, कमलेश्वर, नर्मदा सवार उपाध्याय, प्रफुल्ल चंद्र राजहंस। इन लोगों ने रेडियो की नौकरी की।

उसके अलावा हज़ारी प्रसाद द्विवेदी ,नन्द दुलारे बाजपेयी, मैथलीशरण गुप्त, दिनकर, महादेवी वर्मा और अज्ञेय जी का सहयोग आकाशवाणी लेती रही, मिलता रहा। रेडियो के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उन्नत करने, गरिमापूर्ण बनाने के उद्देश्य से सूचना प्रसारण मंत्रालय ने सुमित्रा नंदन पंत से आग्रह किया, उन्हें मनाया । वो इलाहाबाद थे दिल्ली जाना नहीं चाहते थे। आकाशवाणी ने पंत जी को दिल्ली से सम्बद्ध कर इलाहाबाद केंद्र से ही उनकी सेवाएं ली। पंत जी के लेखन में व्यवधान न हो इस बात का भी आकाशवाणी ने ध्यान रखकर उन्हें सिर्फ तीन दिन वो भी शाम को आकाशवाणी केंद्र दफ्तर में जाने की स्वतंत्रता दी। अप्रैल 1957 तक करीब सात वर्षों तक पंत जी ने चीफ प्रोड्यूसर के पद पर नौकरी की। इस बीच वे लगातार आकाशवाणी से स्वतंत्र होना चाहते पर आकाशवाणी जानता था उनके साथ पंत के होने का मतलब ।आकशवाणी ने बराबर आग्रह कर मनाकर उन्हें सम्मान के साथ अपने साथ रखा। बाद में पंतजी नौकरी से मुक्त होकर ऑनररी एडवाइजर के तौर पर आकाशवाणी से जुलाई 1967 तक जुड़े रहे।

आकाशवाणी में हिंदी कार्यक्रमों के सांस्कृतिक उत्थान, उनके प्रसारण और विकास में पंतजी की ऐतिहासिक भूमिका है। आकाशवाणी के डायरेक्टर जनरल रहे और सुप्रसिद्ध नाटककार जगदीश चंद्र माथुर ने लिखा है 'पंतजी ने आकाशवाणी को जो कुछ दिया उसका आकाशवाणी ही नहीं भारतवर्ष के वर्तमान सांस्कृतिक इतिहास में विशेष महत्व है।' सुप्रसिद्ध साहित्यकार अमृतलाल नागर आकशवाणी में लेखक प्रोड्यूसर के तौर पर काम कर चुके हैं । अपने ही अंदाज और अपनी ही शर्तों के साथ उन्होंने नौकरी की और आकशवाणी ने उनके सम्मान और गरिमा में कोई कमी न आने दी। भाखड़ा नांगल बाँध सम्बन्धी पहले राष्ट्रीय प्रोग्राम की डॉक्यूमेंट्री, पंद्रह अगस्त और छब्बीस जनवरी की परेड की लाइव कमेंट्री कर कभी नागर जी अपने साहित्यिक रंग बरसा कर छा गए थे । नागरजी ने लिखा है 'जब अफसर 'सृजनशीलता' को अपनी समझदार भरा सहयोग देता है तो रेडियो प्रोग्रामों के प्रस्तुतीकरण की सफलता में चार चाँद लग जाते हैं।' क्या दौर था, क्या दिन थे जब सत्ता साहित्यकारों का महत्व समझती, सम्मान करती थी।

**चलते-चलते एक बार फिर दूरदर्शन के इंदिरा- कमलेश्वर वाकये की याद दिला दूँ ! :**

इंदिरा गाँधी जानती थीं कि कमलेश्वर उनके आलोचक हैं इसके बावजूद 1980 में इंदिराजी ने कमलेश्वर को 'दूरदर्शन ' में एडिशनल डायरेक्टर जनरल के रूप में बड़ी जिम्मेदारी दी। इस सिलसिले में जब कमलेश्वर इंदिरा के सामने पहुंचे तो उन्होंने पूछा- 'क्या आपको मालूम है कि मैंने ही %आंधी% लिखी थी?' इंदिरा का जवाब था- 'हां, पता है।' तुरंत ही इंदिरा गाँधी ने यह भी कहा- 'इसीलिए आपको ये जिम्मेदारी ( दूरदर्शन निदेशक ) दे रही हूं।' इंदिरा ने कहा- 'ऐसा इसलिए ताकि दूरदर्शन देश का एक निष्पक्ष सूचना माध्यम बन सके।'

## वाइस ओवर आर्टिस्ट

# आवाज की दुनिया के हुनरमंद पेशेवर

■ कीर्तिशेखर

भले आज के दौर को 'विजुअल एज' कहा जाता हो, मोबाइल कैमरे से हम पूरा दिन तस्वीरें लेते रहते हैं और सोशल मीडिया में भी तस्वीरों की ही भरमार दिखती है। इसके बावजूद हाल के सालों में तस्वीरों के साथ साथ यानी वीडियो से कदम मिलाकर ऑडियो भी उतनी ही तेजी से आगे बढ़ा है जो इन दिनों पॉडकास्ट, पॉकेट एफएम और यू-ट्यूब के जरिये सुना जा रहा है। अकेले यू-ट्यूब में ही हर दिन लोग करोड़ों घंटों का ऑडियो प्रोग्राम सुनते हैं। कहानियों को लाखों लोग यू-ट्यूब के जरिये सुन रहे हैं। भारत में वाइस ओवर कलाकारों की मांग लगातार बढ़ रही है और चूंकि आने वाले दशकों में शिक्षा ज्यादा से ज्यादा सुनने और देखने के फार्मेट में बदलने वाली है। करीब-करीब समूचे पाठ्यक्रम आवाज और वीडियो में मौजूद होंगे। इन दिनों भी बड़े पैमाने पर पाठ्य सामग्रियां पढ़ने की बजाय सुनी जा रही हैं। अगर आप वाइस ओवर के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं तो यहां आपको शानदार मौके उपलब्ध हैं। बता दें कि इस क्षेत्र में किसी खास शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं होती। हां, अगर इस क्षेत्र में बाकायदा पढ़ाई करके ट्रेनिंग लेकर जो लोग आते हैं, उनकी स्थिति बेहतर होती है।

### कुछ खूबियां जरूरी

एक वाइस ओवर कलाकार में कुछ खूबियां जरूरी हैं। उसका न केवल उच्चारण साफ हो बल्कि उसे अपनी आवाज का नाट्य अभिनय की तरह इस्तेमाल करना भी आता हो। जिसे इस क्षेत्र में जाने की रूचि हो, वह न सिर्फ वाइस ओवर की ट्रेनिंग ले सकता है बल्कि आवाज के जरिये एक अच्छे अभिनय का जादू भी सीख सकता है। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के कई तरीके हैं, जहां भी मौका मिले ऑडिशन दें, लगातार अभ्यास करें, अपने आपको वाइस ओवर वेबसाइट पर रजिस्टर करें, नेटवर्किंग करें, सोशल मीडिया पर मौजूद रहें और इस क्षेत्र में जाने से पहले वाइस ओवर के बिजनेस मॉडल को भी समझें।

### कई क्षेत्रों में काम का स्कोप

अगर आपके पास एक साफ उच्चारण, खनकती हुई आवाज है, तो बाकी सब चीजें एक पखवाड़े में सीखी जा सकती हैं। अगर इस क्षेत्र में अकादमिक कैरियर बनाना चाहते हैं तो बैचलर ऑफ आर्ट्स इन म्यूजिक वोकल कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। वाइस ओवर को ऑफ कैमरा या ऑफ स्टेज कैरियर भी कहते हैं। आजकल जिस बड़े पैमाने पर वीडियो कंटेंट बन रहा है, चाहे वो छोटी फिल्में हों, कार्टून फिल्में हों, एनीमेशन हों या फिर टीवी धारावाहिक हों- हर जगह एक वाइस ओवर कलाकार के लिए काम मौजूद है। टीवी प्रोडक्शन, रेडियो कंटेंट, ऑडियो वेबसाइट, फिल्में, निर्माण, थिएटर और प्रजेंटेशन इन सब क्षेत्रों में वाइस ओवर आर्टिस्ट की काफी ज्यादा मांग होती है। गेमिंग, वीडियो, कार्टून और विज्ञापन के क्षेत्र में भी वाइस ओवर आर्टिस्ट का भरपूर उपयोग होता है। कई ऐसे नियमित क्षेत्र हैं, जहां हमेशा वाइस का उपयोग होता है जैसे रेडियो प्रसारण, खेलो की कमेंट्री, रेलवे स्टेशनों और बस स्टेशनों में लगातार उद्घोषकों की आवाजें सुनाई पड़ती रहती हैं। जब कोई वाइस ओवर आर्टिस्ट अपने वाइस के जरिये अभिनय करता है तो वह एक तरह से अभिनेता भी है और वाइस आर्टिस्ट भी है। हालांकि थोड़े से अभ्यास और ट्रेनिंग से किसी भी आवाज को सुनने लायक कर्णप्रिय बनाया जा सकता है।

### उपलब्ध कैरियर

जहां तक वाइस ओवर आर्टिस्ट के लिए किन किन क्षेत्रों में उपलब्ध कैरियर की बात है, तो रेडियो, ऑडियो एजुकेशन, ई-लर्निंग, मनोरंजन, विज्ञापन, कारपोरेट वर्ल्ड,एनीमेशन जैसे क्षेत्रों के अलावा इन दिनों उन्नत प्रौद्योगिकी के वीडियो गेम, एप, जीपीएस, टेक्स्ट टू स्पीच

और इंटरनेट के अनगिनत क्षेत्रों में वाइस ओवर आर्टिस्ट की भारी मांग है। एक बार अगर आपको अपनी आवाज पर कमांड और भरोसा हो जाए तो आप जल्द ही किसी न किसी प्रोजेक्ट में आसानी से काम पा जाएंगे। शुरुआत में किसी भी वाइस ओवर आर्टिस्ट को 15 से 20 हजार रुपये की नौकरी मिल जाती है। बाद में जैसे-जैसे आपकी आवाज में आकर्षण बढ़ता है, वैसे-वैसे कमाई भी बढ़ती है।

### वाइस ओवर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट

पत्रकारिता की डिग्री या डिप्लोमा के साथ इन दिनों वाइस ओवर की ट्रेनिंग दी जाती है, लेकिन विशुद्ध वाइस ओवर की ट्रेनिंग लेकर इस क्षेत्र में आगे बढ़ना है तो हर शहर में इन दिनों वाइस ओवर ट्रेनिंग देने वाले इंस्टीट्यूट मौजूद हैं जैसे-इंडियन वाइस ओवर, मुंबई, फिल्मिड अकादमी, मुंबई,वाइस बाजार, मुंबई,विजेंद्र कांबोज वाइस ओवर एंड डबिंग आर्टिस्ट, दिल्ली, वाइस लाइन रिकॉर्डिंग स्टूडियो, नई दिल्ली, बविफ्ता फिल्म एकडेमी, नोएडा सेक्टर-15, अक्षिव म्यूजिक क्लासेस, हरीनगर दिल्ली, आरके फिल्म्स एंड मीडिया एकेडमी, करोल बाग दिल्ली, बॉलीवुड ड्रीम एक्टिंग इंस्टीट्यूट, मालवीय नगर दिल्ली। -साभार

# विश्व साहित्य का आकाश: द टिन ड्रम- तमस के खिलाफ जंग

**डॉ. विजय शर्मा**

टिन ड्रम' नोबेल पुरस्कृत गुंटर ग्रास की पहली रचना है। 32 साल की उम्र में रचित उपन्यास के साथ उन्हें विश्व प्रसिद्धि मिल गई। अब तक इसके अनगिनत संस्करण निकल चुके हैं। टाइम पत्रिका ने घोषणा की यह जर्मन साहित्य का 'सर्वाधिक शानदार उदाहरण' है। 'युद्ध के बाद कहीं से भी सुनी गई कदाचित महाआविष्कृत प्रतिभा।'

प्रौढ़ उपन्यास 'टिन ड्रम' नोबेल पुरस्कृत गुंटर ग्रास की पहली रचना है। 32 साल की उम्र में रचित उपन्यास के साथ उन्हें विश्व प्रसिद्धि मिल गई। दुनिया की तमाम भाषाओं में उनकी कृति का अनुवाद हुआ है। जर्मन नाम 'डी ब्लेख्ट्रोमेल' है। 'टीन का ढोल बजाना' मुहावरे का अर्थ उत्पात मचाना है। विपुल लेखन-पुरस्कार-सम्मान वाले गुंटर ग्रास की इस कृति पर फिल्म ( निर्देशन-वोल्कर सोन्डोर्फ ) बनी।

निरंतर अपना नगाड़ा पीटते रहने वाले नायक के उपन्यास पर ग्रास लिखते हैं, '1959 की गर्मियों में मैंने पेरिस में अपना पहला उपन्यास, 'द टिन ड्रम' लिख कर समाप्त किया।' उन्होंने प्रूफ ठीक कर, डस्ट जैकेट के लिए एक चित्र रचा, तभी न्यूयॉर्क से विख्यात प्रकाशक कर्ट वोल्फ ने कहा, 'मैं तुम्हारी किताब अमेरिका में प्रकाशित करने की सोच रहा हूं। क्या तुम सोचते हो, अमेरिकी पाठक इसे समझेगा?'

ग्रास ने कहा, 'मुझे नहीं लगता है।' उपन्यास की सेटिंग क्षेत्रीय है, डेजिन्ग भी नहीं बल्कि एक खास इलाका। जर्मन की स्थानीय बोली से भरा हुआ। वोल्फ ने ग्रास को बीच में काटते हुए कहा, 'और कुछ मत कहो, सारा महान साहित्य स्थानीयता से बद्धमूल होता है। मैं इसे अमेरिका में ला रहा हूं।'

जर्मन साहित्य का 'सर्वाधिक शानदार उदाहरण'

अब तक इसके अनगिनत संस्करण निकल चुके हैं। टाइम पत्रिका ने घोषणा की यह जर्मन साहित्य का 'सर्वाधिक शानदार उदाहरण' है। 'युद्ध के बाद कहीं से भी सुनी गई कदाचित महाआविष्कृत प्रतिभा।'

1899 के काल से प्रारंभ होने वाले उपन्यास का टोन एक साथ त्रासद, कटाक्षपूर्ण, कामुक, धर्म विरोधी, ईशनिंदक और भयानक है। तीन खंड में विभाजित उपन्यास 'द टिन ड्रम' दूसरे विश्व युद्ध के बाद ख़त्म होता है। उपन्यास के पीछे ग्रास की बूर्जुआ परवरिश और उनका स्कूली शिक्षा समाप्त न कर पाना कारण रहा हैं।

13 अप्रैल, 2015 को गुंटर ग्रास की मृत्यु पर जर्मनी की सांस्कृतिक मंत्री मोनिका ग्रुएटर्स ने कहा, गुंटर ग्रास सदियों तक स्मरण किए जाएंगे। उनकी साहित्यिक विरासत गोथे के पार्श्व में खड़ी रहेगी। जब तक इस दुनिया में अत्याचार रहेगा गुंटर ग्रास का नगाड़ा बजता रहेगा, हमें अत्याचार के प्रति सचेत करता रहेगा। उपन्यास के पुनर्मूल्यांकन और पुनर्पाठ का काम निरंतर होता रहता है।

'द टिन ड्रम' किसी वर्जना को नहीं मानता है... बारम्बार कथानक वर्जित क्षेत्र में प्रवेश करता है, जहां घृणा और कामुकता, मृत्यु और ईशनिंदा का मिश्रण है। मगर यह अमेरिकन स्कूल की पोर्नोग्राफी के विभिन्न तथा तथाकथित 'स्टार्क रियलिज्म' से भिन्न है। इसका श्रेय ग्रास की चित्रण वस्तुनिष्ठता है। विकृत रति 'द टिन ड्रम' का एक प्रमुख तत्व है। यौनिकता से लबालब 'द टिन ड्रम' विभिन्न यौन संबंध दर्शाता है। अधिकतर ऐसे संबंध विवाहेतर हैं।

बाल शोषण, समलैंगिक संबंध, हत्या, लूटपाट, चोरी, बेवफाई यहां चित्रित है। सब कुछ जुगुप्सा से भरा और अस्पष्ट है।

नायक ऑस्कर कई लोगों की यौन क्रियाओं को देखता है, खुद

विकृत संबंध रखता है। वह 'अमोरल' है।

तामसिक काल के 'द टिन ड्रम' का नायक ऑस्कर बहुत क्रूर है। कूबड़ उसकी विकृति, समाज की विकृति का प्रतीक है। अपराधबोध से घिरा ऑस्कर हत्या न करके भी हत्या अपने सिर ले लेता है।

हिटलर की जघन्यता को सामने लाता है। अंत में नायक ऑस्कर मानसिक अस्पताल में एक गीत गाता है, जो दुष्ट ब्लैक कुक से

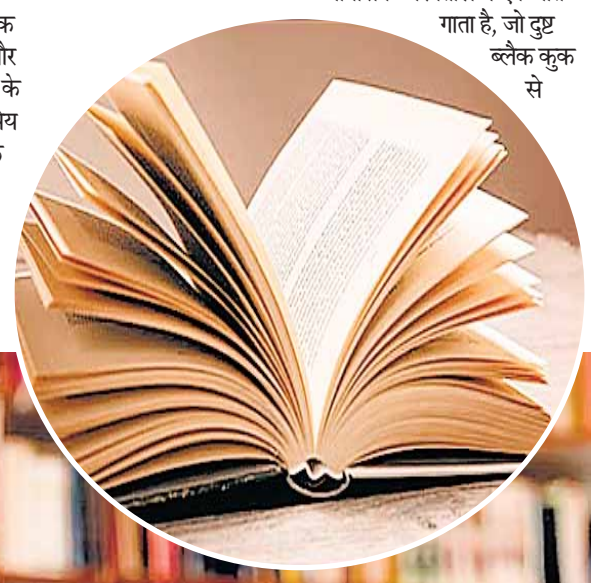

संबंधित है।

रूसी लोग ऑस्कर के पिता को मार डालते हैं, औरतों का बलात्कार करते हैं। मनहूस-असहनीय दुनिया में ऑस्कर रहना नहीं चाहता है। वह जानबूझ कर मानसिक अस्पताल में भर्ती है।

जटिल कथानक का नायक ऑस्कर तीन साल की उम्र में तीन फुट से अधिक बढ़ने से जिदपूर्वक इंकार कर देता है। उसे 'तीन गुणा अधिक स्मार्ट, बड़े मजबूत लोगों से बहुत नीचे रहते हुए उनसे कई गुणा बेहतर, अव्वल, उनकी छायाओं से अपनी छाया नापने की आवश्यकता अनुभव नहीं हुई, बाहर और भीतर से भी पूरी तरह परिपक्व था।' 600 पन्नों का 'टिन ड्रम' पढ़ना एक चुनौती है। वाक्य लंबे, जटिल और शैली अनोखी, अतार्किक क्रम, स्वप्न-सी विचित्र बातें हैं।

इस पर बनी एबसर्ड, भयंकर और ब्लैक कॉमेडी फिल्म में वॉइज-ओवर का प्रयोग करते हुए जर्मनी के इतिहास, हिटलर के उदय और नाजी पार्टी की शक्ति और प्रभाव को चित्रित किया है। फिल्म गुंटर ग्रास के सहयोग, विशेष रूप से संवाद लेखन में सहायता से बनाई है।

सर्वोत्तम विदेशी फिल्म का अकादमी पुरस्कार

फिल्म में सेविड बेनेट, मारिया एडोर्फ, एंजेला विंकलर तथा डैनियल ऑल्ब्रा ने प्रमुख भूमिकाएं की हैं। फिल्म को सर्वोत्तम विदेशी फिल्म का अकादमी पुरस्कार मिला। बेचैन करने वाली, दुःस्वप्न जैसी जर्मन भाषा की यह फिल्म इंग्लिश सबटाइटिल के साथ उपलब्ध है। फिल्म में कांच चटकाने के दृश्य बहुत प्रभावशाली बन पड़े हैं। इफेल टॉवर के नीचे खड़े हिटलर को न्यूजरील फुटेज द्वारा सीपिया टोन में दिखाया गया है, फिल्म हिटलर को कहीं स्पष्ट रूप से नहीं दिखाती है। फिल्म में नाज़ी रैली दिखाने के लिए भी सीपिया टोन का उपयोग किया गया है। कैसे नाज़ी मार्च ऑस्कर के ड्रम बीट पर वाल्ट्ज़ में परिवर्तित हो जाता है, यह दृश्य सिनेमाई कुशलता का प्रतीक है।

इन सब कारणों से गुंटर ग्रास, उनके उपन्यास 'टिन ड्रम' और उस पर बनी फिल्म का नगाड़ा बार-बार बजता रहा है। जब तक दुनिया में तमस है, गुंटर ग्रास का कार्य प्रासंगिक बना रहेगा।

कुशाग्र और कुटिल ऑस्कर मैट्जेराथ के शब्दों में 'द टिन ड्रम' की पूरी कहानी का निचोड़ है, 'लाइट बल्ब के नीचे पैदा हुआ, तीन साल की उम्र में अपनी बाढ़ रोक दी, ड्रम मिला, शीशे चटकाए-तोड़े, वनीला सूंघा, चर्च में खखारा... बढ़ना तय किया।

ड्रम कब्र में डाला, पश्चिम गया, पूर्व में जो था उसे खो दिया, पत्थर पर नक्काशी सीखी, मॉडल के लिए मुद्राएं दीं, अपने ड्रम के पास वापिस आया, कॉन्क्रीट का निरीक्षण किया, धन कमाया और अंगुली की देखभाल की, अंगुली छोड़ी, हंसते हुए पलायन किया, गिरफ्तार हुआ, अपराधी ठहराया गया, सजा मिली, कैद में और अब जल्दी आजाद होने वाला है, और आज मेरा जन्मदिन है, मैं तीस साल का हूं और अभी भी सदा की तरह ब्लैक कुक से डरता हूं -आमीन।'

-साभार

### किसान थे लामबंद, कलेक्टर से की थी शिकायत

# कलेक्टर को शिकायत के बाद भैरोपुर समिति प्रबंधक को हटाया


## अपर कलेक्टर ने सेवा सहकारी समिति भैरोपुर के रिकॉर्ड जप्त कर कार्रवाई करने के दिए निर्देश

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

सिवनी मालवा सेवा सहकारी समिति भैरोपुर में 29 सितंबर को पूर्व सूचना देकर आम सभा आयोजित की गई थी जिसमें प्रशासक रामबाबू रघुवंशी की उपस्थिति में किसानों ने समिति प्रबंधक राजेन्द्र लोवंशी पर अभद्रता करने का आरोप लगाया था।वार्षिक आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया जाना था लेकिन प्रबंधक राजेन्द्र लोवंशी द्वारा किसी भी प्रकार की कोई जानकारी किसानों को नहीं दी गई। किसानों ने इससे संबंधित एक ज्ञापन कलेक्टर,उप पंजीयक सहकारी संस्था, महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक नर्मदा पुरम के नाम लिखा है,उस दौरान उपस्थित सभी

30/9/2024 को कलेक्टर के निर्देश पर अपर कलेक्टर देवेंद्र सिंह को सौंपा,अपर कलेक्टर ने उप सहायक आयुक्त सहकारिता (उप पंजीयक सहकारी संस्था) शिवम मिश्रा को कार्यालय में बुलाकर रिकॉर्ड जब्त कर

क्या है पूरा मामला

जिला सहकारी बैंक का लगभग सन् 2017-2018 में बोर्ड भंग हो चुका है ...


जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित,होशंगाबाद

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

पिछले दिनो जिला सहकारी समिति भैरोपुर में किसानों द्वारा समिति के सदस्यों को वार्षिक समिति का लेखा जोखा नहीं देना और अपनी रंगदारी की खबर की शिकायत को किसानों और समिति के सदस्यों द्वारा इस बात की एक शिकायती आवेदन जिला कलेक्टर नर्मदा पुरम के नाम का ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को सोपा था। जिस पर समिति प्रबंधक को समिति से हटाने का आदेश हुआ है और नए समिति प्रबंधक की नियुक्ति की गई है। इस पूरे मामले की खबर को 'दोपहर मेट्रो' अखबार ने प्राथमिकता के साथ प्रकाशित की थी।

पूरा मामला सेवा सहकारी समिति भैरोपुर का है जहां विगत दिवस 29 सितंबर को पूर्व सूचना देकर आम सभा आयोजित की गई थी जिसमें समिति के प्रशासक रामबाबू रघुवंशी की उपस्थिति में किसानों ने समिति प्रबंधक राजेंद्र लोवंशी पर किसानों के साथ अभद्रता करने एवं समिति में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में लामबंद होकर आवाज उठाई थी। आम सभा में जमा खर्च का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया जाना था लेकिन प्रबंधक राजेंद्र लोवंशी द्वारा किसी भी प्रकार की कोई जानकारी आमसभा में नहीं दी गई उल्टे किसानों के साथ उनके द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया। किसानों ने सामूहिक रूप से इसके विरोध में सभी किसानों का हस्ताक्षरित ज्ञापन कलेक्टर नर्मदा पुरम डिप्टी रजिस्ट्रार सहकारी संस्था महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक नर्मदा पुरम को सोप कर प्रबंधक के खिलाफ समुचित वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की थी। जिसके परिपेक्ष में कलेक्टर नर्मदा पुरम द्वारा अपर कलेक्टर देवेंद्र सिंह को इस बाबत कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था जिस पर संज्ञान लेते हुए अपर कलेक्टर ने सहायक आयुक्त सहकारिता शिवम मिश्रा को अपने कार्यालय में तलब कर उनको निर्देश दिए की वह तत्काल रिकॉर्ड जप्त कर किसाने की मांग के अनुसार संबंधित के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए, निर्देश का पालन करते हुए जिला सहकारी बैंक के महाप्रबंधक ने भैरोपुर सेवा सहकारी समिति में दीक्षा लोधी को समिति का प्रबंधक नियुक्त किया इस न्युक्ति पर सेवा सहकारी समिति भैरोपुर के साधारण सदस्यो ने हुऐ इस प्रशासनिक निर्णय को स्वागत योग्य बताया।

### राजनीतिक आकाओं के साथ भोपाल में डेरा डाल कर स्थानांतरण कैंसिल करवाने की चर्चा जोरों पर

जिला सहकारी बैंक काजल की वो काली कोठरी है कि उसमें से बेदाग निकल पाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन सा है। सूत्रों की माने तो अपनी राजनीतिक सोर्स से समिति प्रबंधक बने इन महाशय का स्थानांतरण होने के बाद अब यह भोपाल में राजनीतिक सोर्स से स्थानांतरण को कैंसिल करवाने में लगे हुए हैं ताकि समिति में हुए भ्रष्टाचार को प्रभावित किया जा सके। हमारे सूत्र तो यह तक बताते हैं की उनकी शैक्षणिक योग्यता भी उतनी नहीं है जो आज इस पद पर बैठे हुए हैं यह भी एक जांच का विषय है। अब ग्रामीणों में संशय की स्थिति बनी हुई है क्या प्रदेश की मोहन सरकर क्षेत्र में हो रहे भ्रष्टाचार को लगाम लगाने के लिए किसानों का सहयोग करती है या फिर अपनी मनमानी करने के लिए इन समिति प्रबंधकों को फिर से थोपा जाता है। फिलहाल ग्रामीणों ने मन बना कर रखा है कि अगर नई समिति प्रबंधक का किसी भी प्रकार का स्थानांतरण कैंसिल होता है तो हम इस बात को लेकर तहसील स्तर पर धरना आंदोलन सहित उग्र प्रदर्शन करेंगे।

# ई लाइब्रेरी 4.0 का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम...


नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस नर्मदा कॉलेज में ई ग्रंथालय 4.0 की ट्रेनिंग दी गई । प्राचार्य डॉ अमिता जोशी के मार्गदर्शन में एक दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम रखा गया।जिसमें सभी प्राध्यापकों और छात्रों को फॉलोअर्स चार्ट वितरित किया गया जिससे वे ई-बुक्स आसानी से सर्च कर सकते हैं। ग्रंथालय प्रभारी डॉ एन आर अडलक ने बताया कि प्रशिक्षण में ई ग्रंथालय में ई बुक्स, ई संसाधनों और ऑनलाइन रिसोर्सेस को कैसे एक्सेस करें की जानकारी दी गई। जिससे पुस्तकों को कंप्यूटर, मोबाइल व लैपटॉप पर इंटरनेट की सहायता से किसी भी स्थान पर पढ़ा जा सकता है।ग्रंथपाल श्रीमती मनीषा दुबे ने विद्यार्थियों को जानकारी दी कि मेंबर आईडी के माध्यम से ई लाइब्रेरी को कैसे लॉगिन करेंगे। कार्यक्रम में डॉ सुधीर दीक्षित, डॉ राजीव शर्मा, डॉ दिनेश श्रीवास्तव, डॉ निहारिका भावसार, डॉ संध्या गौर, डॉ सविता मानकर, डॉ राजीव द्विवेदी, शबनम कुरैशी, चंद्रप्रभा सोनी सहित अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# पिपरिया एसडीएम ने दुर्गा पंडालों की सुरक्षा के लिए दिए निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

पिपरिया एसडीएम श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव ने पिपरिया के सभी दुर्गाउत्सव समितियों से आग्रह किया है कि पिपरिया मंगलवारा चौक में लगे सीसीटीवी के नीचे किसी भी प्रकार की आतिशबाजी,पुतला दहन आदि ना करें। प्रायः देखने में आ रहा है कि किसी भी प्रकार के कार्यक्रम में मंगलवारा चौक पर कई प्रकार की आतिशबाजी की जाती है, सीसीटीव्ही कैमरा को दृष्टिगत रखते हुए इनसे दूरी बनाकर आतिशबाजी की जाए, एसडीएम ने कहा कि विगत दिनों आतिशबाजी के कारण कुछ कैमरों में तकनीकी खराबी आ गई थी इस कारण मंगलवारा चौक का कुछ दिनों के लिए सीसीटीवी का संचार बंद हो गया था। मंगलवारा चौक पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरे उच्च क्वालिटी के है खराबी आ जाने से लगभग 20 से 25 दिन का समय लग जाता है। एसडीएम ने सभी दुर्गा समितियों से कहा है कि अपने पंडाल निर्माण, प्रतिमा स्थापना, साजसज्जा, श्रंगार व प्रतिदिन सज रही झाँकियों के 30 - 45 सेकेंड के HD वीडियो अनुविभागीय कार्यालय अवश्य भेजें।

### धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिए अब 14 तक करावा सकेंगे पंजीयन

# किसान पंजीयन की सभी प्रक्रियाएं समय सीमा में पूर्ण कराएं : राजपूत

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिए पंजीयन की अवधि बढ़ाकर अब 14 अक्टूबर तक कर दी गई है। पहले यह अवधि 4 अक्टूबर तक थी, जिसे किसानों की सुविधा के लिए और बढ़ाया गया है।



मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री की अगुवाई में किसानों के कल्याण के लिए लगातार नई योजनाएं और कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हर किसान को उनके उत्पाद का उचित मूल्य मिले और उन्हें किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि तिथि बढ़ने से अधिक से अधिक किसान पंजीयन करवा सकेंगे और समर्थन मूल्य का लाभ उठा सकेंगे।

गौरतलब है कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन करने के लिए किसान पंजीयन की अवधि 19 सितंबर से प्रारंभ है। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने किसान पंजीयन की सभी प्रक्रियाएँ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि प्रदेश के किसानों की सुविधा को देखते हुए इस बार किसानों को घर बैठे मोबाइल से भी पंजीयन की सुविधा दी गई है। किसान इस सुविधा का लाभ भी उठा रहे हैं।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि किसानों को पंजीयन के लिए विभिन्न माध्यमों से जानकारी दी जा रही है। जिन किसानों के मोबाइल नंबर उपलब्ध हैं, उन्हें एसएमएस से सूचित किया जा रहा है। इसके अलावा गांव में डोंडी पिटवाकर ग्राम पंचायतों के सूचना पटल पर पंजीयन सूचना प्रदर्शित की गई है। वहीं समिति/ मंडी स्तर पर बैनर भी लगाएं गए हैं।

## मेडिकल रिप्रजेन्टेटिव यूनियन की डटा शाखा की कार्यकारिणी का हुआ गठन

**इटारसी।** मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव जो दवा निर्माण कंपनियों और डॉक्टर्स के बीच लिंक के रूप में काम करते हैं। एम आर डॉक्टर्स को अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। शहर के सरस्वती विद्या मंदिर में शुक्रवार नर्मदापुरम की मेडिकल रिप्रजेन्टेटिव यूनियन की सब शाखा की कार्यकारिणी का गठन जिले के विख्यात सेठा कैंसर हॉस्पिटल के संचालक अतुल सेठा की उपस्थिति में किया गया। जिसमें बैतूल यूनियन के सहसचिव पंकज साहू भी शामिल रहे।कार्यकारिणी की अध्यक्षता की कमान अभिनेष शुक्ला को सोंपी गयी, नवनियुक्त अध्यक्ष अभिनेष शुक्ला ने बैठक का संचालन करते हुए बताया की मेडिकल रिप्रजेन्टेटिव की भूमिका कितनी अहम होती है। उसके क्या कार्य होते है, और उन्हें इस मेडिकल फील्ड में अपने सहयोगियों को संचालन में बताया की कैसे और अपने मेडिकल क्षेत्र को बेहतर किया जाये।इसी के साथ उन्होंने अपनी नयी कार्यकारिणी का गठन किया,जिसमें उपाध्यक्ष का पद सुरेंद्र ठाकुर और सचिन सतीश चौहान को सौंपा।



नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

## मंत्री प्रताप के खिलाफ हाईकोर्ट में दायर याचिका स्वीकार, 14 अक्टूबर को सुनवाई

मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्रीव नर्मदापुरम के पूर्व सांसद राव उदय प्रताप द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के अपमान मामले में हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ लगी याचिका को स्वीकार कर ली है. जिसकी सुनवाई 14 अक्टूबर होगी। मप्र के स्कूल शिक्षा और परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप पर तिरंगा यात्रा के दौरान राष्ट्रीय ध्वज के अपमान करने का आरोप लगा है। जिस वाहन पर मंत्री सवार है उस में दिखाई दे रहा है कि तिरंगा यात्रा के दौरान राष्ट्रीय ध्वज को नीचे झुका कर लटकाया गया है। राष्ट्रीय ध्वज को वाहन पर भी बैनर के तौर पर चिपका दिया है। इस कार्य को राष्ट्रीय ध्वज का अपमान बताया जा रहा है. इसी बात को लेकर नरसिंहपुर निवासी एक राष्ट्र भक्त ने मंत्री उदय प्रताप के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।याचिकाकर्ता ने मंत्री समेत तिरंगा यात्रा में राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। याचिकाकर्ता का कहना है कि उन्होंने इस मामले में लिखित शिकायत की थी, लेकिन स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। याचिकाकर्ता का कहना है कि पुलिस दबाव में एफआईआर नहीं कर रही है। मामले को लेकर बताया जाता है कि 15 अगस्त के उपलक्ष्य में 11 अगस्त को मंत्री राव उदय प्रताप और उनके साथियों ने नरसिंहपुर जिले के चीचली से गाडरवारा के बीच में तिरंगा यात्रा निकाली थी। इस आयोजन में राष्ट्रीय ध्वज के अपमान का आरोप लगाया गया था। याचिकाकर्ता ने सबूत के तौर पर वाहन पर राष्ट्रीय ध्वज के फोटो और वीडियो भी कोर्ट में पेश किए हैं।

# जिले में महिला एवं बालिका सशक्तिकरण हेतु 'शक्ति अभिनंदन अभियान' का हुआ आयोजन




**नर्मदापुरम।** मध्यप्रदेश शासन द्वारा 'शक्ति अभिनंदन अभियान' के अंतर्गत 02 अक्टूबर से 11 अक्टूबर 2024 तक प्रदेशभर में महिला और बालिका सशक्तिकरण के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के आंगनवाड़ी केंद्रों, वृद्धा आश्रम और सेक्टर स्तर पर 'दादी-नानी सम्मान कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास के अमले द्वारा वरिष्ठ महिलाओं को सम्मानित किया गया।यह अभियान महिलाओं और बालिकाओं के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने और उन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

### शक्ति अभिनंदन अभियान के तहत बुजुर्गों का सम्मान

**नर्मदापुरम।** शक्ति अभिनंदन अभियान के अंतर्गत जिला कार्यक्रम अधिकारी ललित डेहरिया और नोडल अधिकारी व्ही पी गौर के मार्गदर्शन में आज महिला बुजुर्गों सम्मान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वन स्टॉप सेंटर नर्मदापुरम द्वारा आसरा वृद्धाश्रम, बांद्राभान में बुजुर्ग महिलाओं और पुरुषों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बुजुर्गों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता बढ़ाना था। इस कार्यक्रम में स्थानीय समाज के विभिन्न प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया और बुजुर्गों की समस्याओं एवं उनके योगदान पर विचार साझा किए। इस सम्मान समारोह में बुजुर्गों को शाल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मेट्रो एंकर

### श्रीराम लीला उत्सव का आयोजन

# अहिल्या उद्धार नगर दर्शन, पुष्प वाटिका का मंचन देख भावविभोर हुए दर्शक


इटारसी, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका परिषद के तत्वाधान में चल रहे श्री रामलीला दशहरा महोत्सव के अंतर्गत आज गांधी मैदान पर सुबाहु-मारीच वध, अहिल्या उद्धार, श्रीराम का नगर दर्शन और पुष्प वाटिका का मंचन किया जो लोगों को बहुत भाया। गांधी मैदान पर श्री वृंदावन धाम से श्री बालकृष्ण लीला संस्थान के कलाकार स्वामी श्यामसुंदर शर्मा छोटे महाराज के नेतृत्व में बेहतरीन अदायगी के साथ मंचन कर रहे हैं।

नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे अपने पार्षद साथियों के साथ प्रतिदिन श्रीरामलीला का मंचन दर्शन को पहुंच रहे हैं। गांधी मैदान पर रामलीला दर्शन करने बड़ी संख्या में दर्शक भी पहुंचने लगे हैं। शाम को आरती के बाद मंचन प्रारंभ होता है।

आज के मंचन में बताया कि प्राचीन काल में ऋषि-मुनियों के यज्ञ में राक्षस बाधा उत्पन्न करते थे। उस समय ऋषि विश्वामित्र बड़ा यज्ञ कर रहे थे तथा राक्षस उनके यज्ञ की अग्नि में मांस, रक्त आदि डालकर उसे अपवित्र कर देते थे। इसलिए महर्षि विश्वामित्र ने अयोध्या में राजा दशरथ से सहायता मांगी तथा यज्ञ की रक्षा के लिए उनके पुत्र प्रभु श्रीराम को साथ भेजने के लिए कहा। महाराज दशरथ की आज्ञा से प्रभु श्रीराम बंधु लक्ष्मण के साथ ऋषि विश्वामित्रजी के गुरुकुल पहुंचे। उन दोनों को महर्षि विश्वामित्र ने अनेक प्रकार के अस्त्र-शस्त्र प्रदान किए।

महर्षि विश्वामित्र ने यज्ञ प्रारंभ किया और राम ने लक्ष्मण को सतर्क किया। उसी समय अचानक आकाश से मेघों के गरजने की आवाज आने लगी। मारीच और सुबाहु की राक्षसी सेना यज्ञ के स्थान पर रक्त, मांस, मज्जा, अस्थियों आदि की वर्षा करने लगी। यज्ञ में बाधा आ रही है यह देखकर श्रीराम ने उपद्रवकारियों की ओर देखा। तब आकाश में मायावी राक्षसों की सेना को देख कर राम ने लक्ष्मण से कहा, 'लक्ष्मण, तुम धनुष पर शर-संधान करके सावधान हो जाओ। मैं मानव अस्त्र चलाकर इन महापापियों की सेना का अभी नाश कर देता हूं।

यह कह कर राम ने अत्यंत फुर्ती और कुशलता का प्रदर्शन करते हुए उन पर मानवास्त्र छोड़ा। श्रीराम ने छोड़ा हुआ वह मानवास्त्र आंधी की गती से जाकर मारीच की छाती में लगा। अस्त्र के वेग के कारण मारीच उडक़र चार सौ कोस दूर समुद्र के पार लंका में जा गिरा। इसके पश्चात् राम ने आकाश में आग्नेयास्त्र फेंका जिससे अग्नि की एक भयंकर ज्वाला निकली और उसने सुबाहु को चारों ओर से घेर लिया। इस अग्नि की ज्वाला ने क्षण भर में उस महापापी सुबाहु को जला कर भस्म कर दिया। अस्त्रों के प्रहार से राक्षसों की विशाल सेना के वीरों की मृत्यु होकर वे ओलों की भांति भूमि पर गिरने लगे। इस प्रकार थोडे ही समय में सम्पूर्ण राक्षसी सेना का नाश हो गया। चारों ओर राम की जय जयकार होने लगी तथा पुष्पों की वर्षा होने लगी।

### अहिल्या उद्धार

प्रातःकाल जब राम और लक्ष्मण ऋषि विश्वामित्र के साथ मिथिलापुरी के वन उपवन आदि देखने के लिये निकले तो उन्होंने एक उपवन में एक निर्जन स्थान देखा। राम बोले, भगवन ! यह स्थान देखने में तो आश्रम जैसा दिखाई देता है किन्तु क्या कारण है कि यहां कोई ऋषि या मुनि दिखाई नहीं देते? विश्वामित्र जी ने बताया, यह स्थान कभी महात्मा गौतम का आश्रम था। वे अपनी पत्नी अहिल्या के साथ यहां रह कर तपस्या करते थे। एक दिन जब गौतम ऋषि आश्रम के बाहर गये हुये थे तो उनकी अनुपस्थिति में इन्द्र ने गौतम के वेश में आकर अहिल्या से प्रणय याचना की।

यद्यपि अहिल्या ने इन्द्र को पहचान लिया था तो भी यह विचार करके कि मैं इतनी सुन्दर हूँ कि देवराज इन्द्र स्वयं मुझ से प्रणय याचना कर रहे हैं, अपनी स्वीकृति दे दी। जब इन्द्र अपने लोक लौट रहे थे तभी आश्रम को वापस आते हुये गौतम ऋषि की दृष्टि इन्द्र पर पड़ी। वे सब कुछ समझ गये और उन्होंने इन्द्र को शाप दे दिया। उन्होंने अपनी पत्नी को शाप दिया कि तू हजारों वर्ष तक केवल हवा पीकर कष्ट उठाती हुई यहां राख में पड़ी रहे। जब राम इस वन में प्रवेश करेंगे तभी उनकी कृपा से तेरा उद्धार होगा। इसलिये हे राम ! अब तुम आश्रम के अन्दर जाकर अहिल्या का उद्धार करो। अहिल्या की दृष्टि राम पर पड़ी तो उनके पवित्र दर्शन पाकर एक बार फिर सुन्दर नारी के रूप में दिखाई देने लगी।

# दुबई में एक शाम सैफी सिरोंजी के नाम और बज़्म ए उर्दू का 'लोह-ए-सिपास' पुरस्कार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

दुबई में सिरोंज के मशहूर लेखक डॉक्टर सैफी सिरोंजी के नाम एक शाम का आयोजन बज्म ए उर्दू की ओर से किया गया और उन्हें 'लोह- ए- सिपास' अवार्ड से नवाजा गया। सिरोंज से 44 बरसों से प्रकाशित होने वाली उर्दू पत्रिका इंतेसाब के ख़ास अंक और सैफी की आपबीती 'यह तो सच्चा क़िस्सा है' का विमोचन भी किया गया। इस महफिल को सजाने में डॉक्टर तरन्नुम अहमद का अहम योगदान रहा। बज्म ए उर्दू के जनरल सेक्रेटरी रेहान खान ने पाकिस्तान से ऑनलाइन इस प्रोग्राम को ज्वाइन किया और सैफी के दुबई आने पर खुशी का इज़हार किया। बज़्म के अध्यक्ष शकील अहमद खान ने मुबारकबाद देते हुए कहा, हमें फख्र है कि सैफी साहब ने दुबई आकर हमारी बज़्म को रौनक बख्शी। उन्होंने तो सिरोंज को इंटरनेशनल बना दिया है। उनके किन किन कारनामों का ज़क्रि करें। उनका शौक, लगन, ख्वाहिश और जिंदगी साहित्य और सिर्फ साहित्य है। बज़्म के मेंबर नदीम अहमद ने सैफी के शेर पढ़कर सुनाए और बीती यादों को सांझा करते हुए कहा कि जनाब से हमारे संबंध पच्चीस साल पुराने हैं। उन्होंने हमारे पिता शौकत परदेसी पर बहुत अच्छा लेख लिखा था और हम उनकी पत्रिका के सदस्य भी रहे हैं। सैफी के इस शेर पर काफी वाहवाही हासिल हुई।

### निकले थे घर यह कहके खिलोने भी लायेंगे

लेकिन कोई बताए कि घर कैसे जायेंगे आरिफ सिद्दीकी ने सैफी की आपबीती पर बात करते हुए कहा कि एक घंटे पहले ही यह किताब मुझे मिली और मैं इसके 20 पेज पढ़ चुका हूं। अगर यह प्रोग्राम ना होता तो आज सारी रात यही किताब पढ़ता। संचालन करते हुए शबीय कुरैशी ने सैफी सिरोंजी का मुक्मल परिचय करवाया। इस प्रोग्राम में आफाक सैफी, सैयद ताबिश जैदी, शादाब उल्फत, अहया भोजपुरी, रमला सय्यद, आयशा शेख़ आशी, इमाद मलिक, अब्दुल सुबुर, सायमा आसिम नक़वी, सैयद सरोश आसिफ आदि मौजूद रहे। इस अवॉर्ड पर सद्भावना मंच के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल और सिरोंज वासियों ने सैफी सिरोंजी को बधाई दी।

# मुख्य बाजार का जाम बना आफत, प्रशासन व्यवस्था बनाने में नाकाम

## कई दुकानों का सामान रखा रहता है आधे रोड पर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सिरोंज का मुख्य बाजार में जाम की स्थिति का आलम यह है कि थोड़े से काम के लिए आम नागरिक बाजार जाता है तो घंटों तक जाम में फसकर रह जाता है लगभग 1 किलोमीटर से भी कम के एरिया में बसा है मुख्य बाजार लेकिन जाम के कारण आम नागरिक को निकलने में काफी लंबा समय तय करना पड़ता है कभी-कभी स्थिति नागरिकों में आपसी झगड़े की भी बन जाती है मुख्य बाजार में जाम लगने का सबसे बड़ा कारण सिरोंज में पार्किंग व्यवस्था ना होना है मुख्य बाजार में स्थित दुकानदार अपनी दुकानों के सामने अपनी दुकान का सामान तो राख लेते हैं साथ ही ग्राहकों की टू व्हीलर वाहन भी दुकानों के सामने ज्यादा से ज्यादा तादाद में खड़े रहते हैं 20 फीट का बाजार लगभग 7 ,8 फीट का बचता है कभी-कभी वहीं से फोर व्हीलर वाहन का निकलना भी हो जाता है जिसके कारण घंटों तक जाम मुख्य बाजार में लगा रहता है। कई बार प्रशासन ने मुख्य बाजार के जाम को लेकर गंभीरता से बैठक करके स्थिति सुधारने की कोशिश की है और कई बार पार्किंग व्यवस्थाओं को लेकर भी चर्चा हुई है लेकिन सिर्फ चर्चा ही रह गई इस काम को आगे नहीं ले जाया गया जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते पार्किंग व्यवस्थाएं नहीं बनाई गई मुख्य बाजार के अतिक्रमण को भि नही हटाया जारहा अगर शहर के अंदर एक दो स्थानों पर पार्किंग व्यवस्था बना दी जाए तो बाजार में जाम लगना कम हो जायेगा।

### जिला प्रभारी गोपाल सिंह मीणा ने ली सिरोंज विधानसभा क्षेत्र के पांच मंडल कार्यकर्ताओं की बैठक

# भाजपा सदस्यता अभियान के लक्ष्य पूर्ति हेतु महासदस्यता अभियान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

भाजपा के महासदस्यता अभियान में भारतीय जनता पार्टी संगठन ने सिरोंज-लटेरी विधानसभा को जो लक्ष्य प्रदान किया है उसके अनुरूप हम सभी कार्यकर्ताओं को सामूहिक प्रयासों से आज दिन भर अधिकतम सदस्य बनाकर लक्ष्य की प्राप्ति करना है यह कार्य किसी एक नेता या व्यक्ति का नहीं बल्कि भारतीय जनता पर्टी के आप सभी दायित्ववान पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ताओं, सदस्यों एवं शुभचिंतकों का है। यह बात क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने सदस्यता अभियान के तहत विधानसभा स्तरीय बैठक के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए कहीं ।

बैठक में भाजपा संगठन के सदस्यता प्रभारी गोपाल सिंह मीना भी शामिल हुए। संस्कार गार्डन फेस - 2 सिरोंज में उपस्थित कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हम सबको मिलकर पार्टी के सिरोंज विधानसभा को दिये गये लक्ष्य को प्राप्त करना है। पार्टी को हमने मां के समान का दर्जा प्रदान किया है इसलिए समाज और देश के हित में व्यक्तिगत काम से पहले विशेष महासदस्यता अभियान के अवसर पर संगठन कार्य को प्राथमिकता से करना हमारा सबका कर्तव्य है। किसानी के कार्य और त्यौहारों की व्यस्तता होने के बाद भी प्रत्येक वर्ग के, समूहों के व्यक्तियों को सर्वस्पर्शी भाजपा, सर्वव्यापी भाजपा बनाने हेतु सदस्यता अभियान चलाना है स्थानीय महिला संगठनों, समाजसेवी संगठनों, युवा तथा जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं गरीब दलित बस्तियों में भी इस महाभियान में भाग लेकर अभियान को तेज गति प्रदान करनी है।

महासदस्यता अभियान 6 अक्टूबर को प्रत्येक मतदान केन्द्र पर भारतीय जनता पार्टी के सभी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकारिणी, सक्रिय सदस्यों को अपने-अपने मतदान केन्द्र ही प्रातः 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक अपनी सुविधानुसार दिन भर सदस्यता करनी है भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता, सदस्यता पुस्तिका (रसीद कट्ट) एवं मोबाईल पर की जा सकती है। इसके पूर्व बैठक का शुभारंभ महापुरूषो के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर मंचासीन नेताओं ने रानी दुर्गावती की जयंती अवसर पर उनके चित्र पर भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।इस अवसर पर बैठक का संचालन शिवकुमार भार्गव के द्वारा किया गया।

बैठक में विधानसभा संयोजक कैलाश शर्मा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाव सिंह कुर्मी, जिला मंत्री भारतसिंह राजपूत, मंडल अध्यक्ष राजकंवर बघेल, राजेश यादव, झार सिंह दांगी, जिला कार्यसमिति सदस्य हरिबाबू भार्गव, रमेश यादव, लक्ष्मण सिंह बघेल, महेन्द्र सिंह दांगी, हरिचरण अहिरवार, सुमंत मित्तल के साथ बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहें। बैठक का आभार रमेश यादव ने व्यक्त किया।

### प्रदेश उपाध्यक्ष ने मोबाईल से कार्यकर्ताओ का किया उत्साहवर्धन

बैठक के अवसर पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह जी ने मोबाईल के माध्यम से पार्टी के कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता निष्ठावान कार्यकर्ता है प्रत्येक कार्यकर्ता को अपना दायित निष्ठा से निर्वहन करना है। प्रदेश एवं राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश अनुसार सभी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ताओं एवं सदस्यगणों को मिलकर रविवार को महासदस्यता अभियान में प्रातः 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक दिनभर सदस्यता अभियान चलाकर लक्ष्य को प्राप्त करना है।

## भाजपा सदस्यता अभियान को लेकर विधायक ने ली पथरिया मंडल की समीक्षा बैठक

**सिरोंज।** शनिवार को दोपहर में पथरिया स्थित पंचायत भवन कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे ने भाजपा शासित सरपंच एवं कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक का शुभारंभ अतिथि कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे, भाजपा सदस्यता अभियान विधानसभा पभारी विनोद जैन एवं पथरिया मंडल प्रभारी सीताराम सैनी ने महापुरुषों के चित्र पर माल्या अर्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर विधायक हरिसिंह सप्रे ने पूर्व में कार्यकर्ता को दिए गए लक्ष्य के विषय में बिंदु बार जानकारी ली। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में ऐसा कोई घर नहीं है जो भाजपा की जन कल्याणकारी योजनायों का लाभ न ले रहा हो, बस देर है तो हमें उन तक पहुंचाने की। आज क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। वही इस अवसर पर उन्होंने सदस्यता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं का सम्मान किया। तो वहीं भाजपा शासित सरपंच एवं कार्यकर्ताओं को आगामी कार्य योजना के तहत लक्ष्य दिया और कहा कि रविवार को महा सदस्यता अभियान के तहत अधिक से अधिक सदस्य कुरवाई विधानसभा में बनना चाहिए। पथरिया मंडल के कार्यकर्त्ता कुरवाई विधानसभा में सबसे अधिक सदस्य बनाने का रिकॉर्ड बनाएं। वहीं बैठक के आखिर में पहुंचे सदस्यता अभियान प्रभारी पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष व भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोपाल सिंह मीणा ने सदस्यता अभियान के तहत सदस्य बनाने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। इससे पूर्व पथरिया सरपंच प्रतिनिधि लेखराज सिंह पाल ने मौजूद अतिथियों का शाल श्रीफल एवं साफा बाधकर स्वागत सत्कार किया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। वही आखिर में सभी कार्यकर्ताओं के साथ विधायक ने वृक्षारोपण भी किया।

## डेंगू पर नियंत्रण हेतु कार्रवाई जारी

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में विदिशा जिले में डेंगू पर नियंत्रण हेतु प्रभावी कार्रवाई जारी है। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि काम्बेट टीम द्वारा डेंगू की प्रतिबंधात्मक कार्यवाही विदिशा शहर के ढलकपुरा, पूरनपुरा, गुलाब बाटिका, करैयाखेड़ा, विजयनगर मुखर्जीनगर ब्लॉक पीपलखेड़ा के अंतर्गत देवखजूरी, जम्बारबागरी, सुनपुरा में 360 घरों में लार्वा सर्वे किया गया। 27 घरों में लार्वा पाया गया। टीम के द्वारा लार्वा विनिष्टिकरण की कार्यवाही की गई। ब्लॉक सिरोंज में खण्डचिकित्सा अधिकारी डॉ. विकास सिंह बघेल, मलेरिया निरीक्षक मोसिन खांन के नेतृत्व में आशा, ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता ए.एन.एम. के द्वारा लार्वा सर्वे महाअभियान चलाकर आज शनिवार को 1519 घरों में लार्वा सर्वे किया गया। जिसमें से 7 घरों में लार्वा पाया गया जिसको विनिष्टिकरण की कार्यवाही की गई। उपरोक्त गतिविधि के अंतर्गत कीटनाशक दवा का छिड़काव फॉगिंग कार्य किया गया तथा डेंगू से बचाव संबंधी स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से जनसमुदाय को बताया गया कि वह अपने घर एवं घर के आस-पास में पानी एकत्रित न होने दे टायर, गमले, कूलर, पानी टंकी की नित्य सफाई करे तथा मच्छरदानी का उपयोग करे व फुल अस्तीन के कपड़े पहने व मच्छर पनपने न दे।

# पीएम किसान सम्माननिधि की राशि सिंगल क्लिक से किसानों के खातों में जमा हुई

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 18वीं किश्त की राशि सिंगल क्लिक से जारी की है। महाराष्ट्र के पोहरादेवी तहसील मानोरा जिला वाशिम में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने सुनने के प्रबंध विदिशा जिला मुख्यालय के साथ-साथ तहसील मुख्यालयों पर सुनिश्चित किए गए थे। प्रधानमंत्री जी के लाइव उद्बोधन का प्रसारण जनप्रतिनिधियों सहित अधिकारी, कर्मचारियों व हितग्राहियो ने कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में देखा सुना है। जिला स्तरीय कार्यक्रम कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर विदिशा विधायक मुकेश टण्डन, जनपद अध्यक्ष वीर सिंह रघुवंशी, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर के अलावा अन्य विभागो के अधिकारी तथा लाभांवित होने वाले कृषकगण मौजूद रहें।

### प्रमाण पत्र वितरण

प्रधानमंत्री किसान सम्माननिधि योजना से लाभांवित होने वाले कृषकों को जिला स्तरीय कार्यक्रम में भी प्रतीक स्वरूप सम्माननिधि स्वीकृति आश्य के प्रमाण पत्र विधायक श्री मुकेश टण्डन, जनपद अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी तथा कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने प्रदाय किए है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक श्री टण्डन ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार सदैव किसानो की हितैषी रही है कृषि से आमदनी को बढावा देने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है जिनका लाभ लेकर कृषक भाई प्रगति की ओर अग्रसर हो रहे है। उन्होंने लाभांवित होने वाले कृषकों से आव्हान किया कि प्राप्त होने वाली राशि का कृषि क्षेत्र में सदुपयोग कर आमदनी के द्वार बढाएं।

**मेट्रो एंकर** शहर में दौड़ रहे कचरा वाहन, फिर भी नहीं हट पा रहे कचरा घर, नागरिकों की जागरुकता जरूरी

# 55 से अधिक स्थानों पर अभी भी कचरा घर फैला रहे गंदगी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में जनता को जोड़ने के लिए सफाई को जनआंदोलन का रूप देने की प्रस्तावना है। इसको लेकर नगर पालिका द्वारा घर-घर जागरूकता अभियान चलाने की तैयारी की जा रही है। क्योंकि आने वाले दो अक्टूबर के स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान के दस साल पूरे होने जा रहे है।

इन दस वर्षों में शहर की स्वच्छता में बहुत कुछ बदला है। अब घर घर से कचरे का उठाव होने लगा है। इसके बावजूद शहर में कचराघर पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाए है। अब भी करीब एक दर्जन कचरा घर बने हुए है, जो शहर की सुंदरता को दागदार बना रहे है। इसके अलावा नपा पशासन ने कचरा घर तो हटा दिए, लेकिन आज भी उन्हीं जगहों पर स्थानीय रहवासी कचरा फेंक रहे हैं। हालांकि नपा प्रशासन ने जागरूकता रैली निकालकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का पहला प्रयास भी प्रारंभ कर दिया है। लेकिन नपा का यह प्रयास औपचारिकता पूर्ण ही दिखाई दे रहा है। क्योंकि रैली निकालने के बाद अधिकारी मैदान में कार्य करते दिखाई नहीं दे रहे हैं। जिसके कारण स्थिति यह हो गई है कि शहर की कई सड़कों पर कचरो के ढेर लगे रहते हैं, जिन्हें नपा के सफाई कर्मी सुबह कचरा गाड़ी में भरकर ले जाते हैं। लेकिन दिनभर यह कचरा सड़कों पर ही पड़ा रहता है जिसके कारण जगह जगह गंदगी दिखाई पड़ती है, तो वही नपा प्रशासन के स्वच्छता अभियान पर भी पलीता लगता दिखाई पड़ रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2014 से स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान की शुरुआत की।

इस अभियान के तहत न केवल नगरीय निकायों के संसाधन में वृद्धि हुई बल्कि शहर के लोगों के जागरूकता के लिए सतत अभियान चलाया गया। बीते दस वर्षों में चलाए गए अभियान का माध्यम ये रहा कि लोग स्वच्छता को लेकर जागरूक हुए। इस अभियान में शत-प्रतिशत जागरूकता भले ही ना आई हो, लेकिन जागरूक लोगों ने इसका महत्व समझा है। हालांकि अभी भी शहर के कई क्षेत्र ऐसे है जहां नियमित सफाई का अभाव है। अब उम्मीद है कि शहर को स्वच्छ सर्वेक्षण में अव्वल आने में जो बाधाएं है, नगर पालिका और प्रशासन इस पर ध्यान देकर कार्य करेगा ताकि हमारा शहर प्रदेश के प्रमुख स्वच्छ शहरों में शामिल हो सके।

### नपा कार्य कर रही, लेकिन नागरिकों की जागरूकता भी जरूर

शहर में कुछ साल पहले तक 150 से अधिक कचरा घर थे। ऐसा कोई मोहल्ला नहीं था, जहां कचरा घर दिखाई ना दे, लेकिन धीरे-धीरे में कचरा घरों की संख्या घटने लगी। जिसका प्रमुख कारण नपा स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना के आने के बाद हुआ। उन्होंने लगातार जागरूकता अभियान सहित कई लोगों पर जुर्माने की कार्रवाई भी की, जिसका नतीजा यह रहा कि वर्तमान में सिरोंज शहर में मात्र 55 कचरा घर बचे हैं, लेकिन इन कचरा घरों को हटाने के लिए भी नपा तेजी से प्रयासरत है। लेकिन इन कचरा घरों को हटाने में जितना योगदान नपा का है, उससे अधिक शहर के लोगों का है, क्योंकि नागरिकों को भी यह तय करना होगा कि हमारा कचरा हमें कचरा वाहन में ही डालना चाहिए। हालांकि कई वार्डों में दिन में दो बार कचरा वाहन पहुंचते हैं, लेकिन कई वार्ड ऐसे भी हैं जहां सिर्फ एक बार ही कचरा वाहन पहुंच रह हैं। वही आपको बता दें की कचरा घर बढ़ने की एक वजह घर घर से कचरा एकत्रित करने की व्यवस्था का बिगड़ना भी है, क्योंकि कचरा एकत्रित करने के लिए नपा के पास मात्र 12 वाहन हैं। हालांकि नपा स्वास्थ्य अधिकारी जल्द ही और कचरा वाहन खरीदने की बात कह रहे हैं।

## कचरा घर हटाकर उन स्थानों पर करेंगे सौंदरीकरण

नगर पालिका के प्रभारी सीएमओ राम प्रकाश साहू का कहना है कि कचरा घर हटाने के लिए हम नियमित अभियान चलाएंगे, लोगों को जागरूक करेंगे इसके साथ ही जहां जरूरी होगा, जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। जल्द ही सिरोंज शहर को कचरा घर मुक्त शहर बनाएंगे। उन्होंने बताया कि कचरा घरों को हटाने के लिए उन स्थानों के सुंदरीकरण पर कार्य किया जाएगा, ताकि दोबारा उस स्थल पर कचरा डालने से लोगों को रोका जा सके। इसके अलावा मकानों के बीच की खाली जगह पर भी कचरा डालने की व्यवस्था को बंद किया जाएगा।

## इन स्थानों पर सड़क पर या फिर कचरा घरों में डलता है कचरा

एक तरफ जहां नपा लगातार कचरा घर हटाते हुए कचरा वाहनों में कचरा डालने के लिए नागरिकों को जागरुक कर रही है, तो वहीं कुछ स्थान शहर के ऐसे भी हैं जहां लगातार प्रयास के बाद लोग कचरा डालने से बाज नहीं आ रहे हैं।यही वजह है कि शहर के कस्टम स्थित नाले के पास मुख्य सड़क पर ही दिन भर कचरा डला रहता है, जिसे हर दिन नपा सफाई कर्मी सुबह उठा कर ले जाते हैं। ऐसे ही बोहर बावड़ी तिराह स्थित राधा कृष्ण मंदिर के सामने दिनभर कचरा पड़ा रहता है। जबकि नपा ने उक्त जगह पर बोर्ड लगाकर कचरा डालने से मना किया है, जिसमें जुर्माने का आदेश भी लिखा है। इसके बाद भी नपा कर्मी की मौजूदगी ना होने के कारण व्यवस्था नहीं सुधर पा रही है। ऐसे ही शहर के कई वार्डों में जहां कचरा घर बने हैं, उन जगहों पर आज भी लोग कचरा ही डाल रहे हैं, यदि नपा ऐसे स्थान पर एक-एक वालंटियर तैनात कर दे तो स्थिति में जरूर सुधार आ सकता है।

# जेवलिन थ्रो को छोड़ क्रिकेटर बनीं तजमीन

## एक्सीडेंट के बाद ओलंपिक खेलने का सपना टूटा पर हार नहीं मानी

**दुबई. एजेंसी**

जेवलिन थ्रो में यूथ वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता और अपने देश की ओलंपिक टीम में चुनी गई, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। दिसंबर, 2011 में एक कार एक्सीडेंट में तजमीन ब्रिट्स का ओलंपिक खेलने का सपना चकनाचूर हो गया, लेकिन तजमीन ने हार नहीं मानी और क्रिकेट खेलना शुरू किया। अब वे आइसीसी महिला टी-20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करने जा रही हैं, लेकिन तजमीन की सबसे बड़ी ताकत उनकी मां हौसलाअफजाई के लिए यहां मौजूद नहीं होंगी। दो सप्ताह पूर्व ही पता चला है कि तजमीन की मां को ब्रेस्ट कैंसर है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, संघर्ष कभी खत्म नहीं होता, लेकिन अब मुझे पता है कि इससे कैसे निपटना है। आपको आगे बढ़ते रहना होगा, नहीं तो दुनिया आपको निगल जाएगी। तजमीन ने बताया कि 2011 में जब मेरा कार एक्सीडेंट हुआ तो ऐसा लगा सबकुछ खत्म हो गया। मैं टूट गई थी।

### पिता को खोया, अब मां ही मेरी हिम्मत

तजमीन के लिए उनकी मां ही सबकुछ हैं। साल 2021 में कोविड के कारण अपने पिता को खोने के बाद मां हर कदम पर उनके साथ खड़ी रही हैं। तजमीन ने कहा, मेरे बुरे दौर में मां और पिता ही थे, जिन्होंने मुझे फिर से जीने के लिए प्रेरित किया। उन्हीं की वजह से मैं क्रिकेट में करियर बना सकी। तजमीन ने कहा, भले ही मां विश्व कप के दौरान यहां नहीं होंगी, लेकिन मैं उनके लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहती हूं।

## भारत और बांग्लादेश के बीच होगा मुकाबला

# पहला टी-20 आज: ग्वालियर में 14 साल बाद इंटरनेशनल मैच

**ग्वालियर, एजेंसी**

उपयोगी पारियां खेली थीं। लेग स्पिनर रिशाद हुसैन इस साल टीम के टॉप विकेट टेकर हैं। उनके नाम 18 ही मैचों में 26 विकेट हैं। हर्षित और मयंक कर सकते हैं डेब्यू बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी-20 में भारत से तेज गेंदबाज मयंक यादव और हर्षित राणा डेब्यू कर सकते हैं। दोनों ने पिछले आईपीएल सीजन में प्रभावित किया था। मयंक ने ज्यादा स्पीड से गेंदबाजी करते हुए 4 ही मैचों में 7 विकेट झटके थे। वहीं हर्षित ने चैंपियन कोलकाता के लिए खेलते हुए 13 मैचों में 19 विकेट लिए थे। शिवम दुबे को पीठ में चोट सीरीज शुरू होने से पहले ही भारत के अहम ऑलराउंडर शिवम दुबे इंजर्ड होकर सीरीज से बाहर हो गए। उन्हें पीठ में चोट लग गई। उनकी जगह बैटर तिलक वर्मा को स्क्वॉड में शामिल किया गया। वह आज सुबह ही टीम के साथ जुड़े। टी-20 सीरीज में भारत के सामने बड़े चैलेंज लंबे टेस्ट सीजन के बीच बांग्लादेश के खिलाफ 3 टी-20 की सीरीज खेलने को कई एक्सपर्ट्स ने खराब बताया। क्योंकि भारत को अगले साल वनडे चैंपियंस ट्रॉफी खेलनी है, टीम वनडे की बजाय टी-20 खेलने पर फोकस कर रही है। लेकिन इस सीरीज से भारत को कई बड़े सवालों के जवाब मिलेंगे। रोहित शर्मा और विराट कोहली के रिटायरमेंट के बाद उनकी जगह खाली। अभिषेक शर्मा, रियान पराग और संजू सैमसन मौजूदा सीरीज में इन 2 स्पॉट के लिए दावेदारी पेश करेंगे। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का स्पॉट भरने के लिए टीम इंडिया में किसी ऑलराउंडर को ही फिट होना होगा। बैटिंग, बॉलिंग के साथ उस खिलाड़ी को जडेजा जैसी फील्डिंग के स्टैंडर्ड भी मैंटेन करने होंगे। वॉशिंगटन सुंदर और नितिश रेड्डी ऑलराउंडर की पोजिशन पर दावेदारी पेश करेंगे। विकेटकीपर स्पॉट पर ऋषभ पंत को वर्ल्ड कप में प्राथमिकता मिली थी। उन्हें फिलहाल आराम दिया गया है, लेकिन वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद उनकी जगह तय भी नहीं मानी जा सकती है। ऐसे में विकेटकीपर स्पॉट के लिए सैमसन और जितेश दोनों ही मजबूत दावेदारी पेश कर सकते हैं। मयंक यादव और हर्षित राणा के रूप में 2 युवा पेसर्स को मौका मिला। दोनों ही दिल्ली से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं और आइपीएल के पिछले सीजन में प्रभावित कर चुके हैं। मयंक जहां अपनी पेस से प्रभावित करते हैं, वहीं हर्षित के पास वैरिएशन और बैटिंग की काबिलियत है। दोनों में भारत के लिए लंबे समय तक खेलने की प्रतिभा भी नजर आती है।

## विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप: न्यूजीलैंड से हार ने बिगाड़ा भारत का गणित

नईदिल्ली, एजेंसी। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के पहले ही मुकाबले में न्यूजीलैंड से बड़ी हार के बाद भारत की मुश्किलें बढ़ गई हैं। टीम इंडिया को अब सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ग्रुप स्टेज में तीनों मैच जीतने ही होंगे। इतना ही नहीं, टीम को न्यूजलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बाकी मैच हारने की भी दुआ करनी होगी। भारत ग्रुप ए में न्यूजीलैंड व ऑस्ट्रेलिया के साथ ही है। टीम के ग्रुप में पाकिस्तान और एशिया कप चैंपियन श्रीलंका भी है। ऐसे में इंडिया के लिए तीनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में एंट्री करने की राह मुश्किल नजर आ रही है। ग्रुप-ए में पहला मैच 58 रन के बड़े अंतर से हारने के कारण भारत को रन रेट में भी नुकसान हुआ। टीम का रन रेट माइनस में है और टीम बगैर अंक के 5 टीमों में आखिरी नंबर पर है। आज भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। भारत को यह मैच 45 रन से ज्यादा के अंतर से जीतना ही होगा, तभी टीम पाकिस्तान को पीछे कर 2 पॉइंट्स के साथ नंबर-3 पर पहुंचेगी। टीम इंडिया को फिर श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी दोनों मैच जीतने होंगे। टीम अगर तीनों मैच जीतने में कामयाब रही तो ग्रुप स्टेज के बाद उनके 6 पॉइंट्स होंगे।

**रणजी चैंपियन मुंबई और शेष भारत के बीच मुकाबला**

## मुंबई 27 साल बाद ईरानी ट्रॉफी चैंपियन, शेष भारत को हराया

**लखनऊ. एजेंसी**

अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में रणजी चैंपियन मुंबई ने शानदार प्रदर्शन कायम रखते हुए शनिवार को ईरानी ट्रॉफी अपने नाम कर ली। मुंबई की टीम ने करीब तीन दशक का खिताबी इंतजार खत्म किया और 27 साल (1997-98) के लंबे अंतराल के बाद यह ट्रॉफी जीती है। मुंबई ने शेष भारत के साथ पांच दिवसीय मुकाबला ड्रॉ खेला और पहली पारी की बढ़त के आधार पर खिताब अपने नाम किया। वहीं, शेष भारत की बादशाहत खत्म हो गई, जिसने 2019-20 से लगातार तीन बार यह ट्रॉफी जीती थी। दूसरी पारी में मुंबई ने 167 रन तक सात विकेट गंवा दिए थे लेकिन आठवें नंबर पर उतरे तनुष कोटियन ने शतक जड़कर टीम को उबार लिया। तनुष ने 150 गेंदों में 10 चौके और एक छक्के के साथ नाबाद 114 रन बनाए। तनुष ने 10वें नंबर पर उतरे मोहित अवस्थी (51) के साथ नौवें विकेट के लिए नाबाद 158 रन जोड़े। बल्लेबाजों का रहा दबदबा-इस मुकाबले में मुंबई के बल्लेबाजों का दबदबा रहा। पहली पारी में मुंबई ने 537 रन का विशाल स्कोर बनाया और शेष भारत को 416 रन पर आउट करके 121 रन की अहम बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में भी मुंबई ने मैच समाप्त होने तक आठ विकेट पर 329 रन बनाए।

## शूटिंग में भारत ने जीता ग्यारहवां स्वर्ण

**लीमा. एजेंसी**

भारतीय जूनियर शूटिंग टीम ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन जारी रखते हुए चल रही अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन जूनियर विश्व चैंपियनशिप में अपना 11वां स्वर्ण पदक जीता, जिसमें मुकेश नेलावल्ली, राजवर्धन पाटिल और हरसिमर सिंह रत्था की तिकड़ी ने जूनियर पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) में टीम स्पर्धा जीती। यह प्रतियोगिता में मुकेश का चौथा स्वर्ण भी था। मुकेश,राजवर्धन ने भी आरएफपी में व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाई, राजवर्धन शॉट्स की पहली छह सीरीज में 17 हिट के साथ चौथे स्थान पर रहे, जबकि मुकेश पहले ही पांचवें स्थान पर बाहर हो गए।

**मनोरंजन**

## बॉलीवुड का कोना

### रोड एक्सीडेंट में खराब हुआ था महिमा का चेहरा, बोलीं

## मैंने अजय देवगन से कहा था कि इसे सीक्रेट रखें...

महिमा चौधरी इन दिनों अपनी कमबैक फिल्म द सिग्नेचर की तैयारी में बिजी हैं। इस फिल्म से वे आठ साल बाद फिल्मों में वापसी करेंगी। इसी बीच महिमा ने एक इंटरव्यू में 1999 में फिल्म दिल क्या करे की शूटिंग के दौरान हुए रोड एक्सीडेंट के बारे में बात की है। महिमा फिल्म दिल क्या करे की शूटिंग के आखिरी दिन जब लोकेशन पर जा रही थीं तभी उनकी कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी थी। इस हादसे में महिमा के चेहरे पर काफी चोट आई थी। महिमा ने कहा कि एक्सीडेंट के बाद उन्होंने अपने को-स्टार अजय देवगन और डायरेक्टर प्रकाश झा से गुजारिश की थी कि वो इस बात को सीक्रेट रखें, नहीं तो उन्हें फिल्म इंडस्ट्री बायकॉट कर देगी। महिमा ने कहा, जब मेरा एक्सीडेंट हुआ, मुझे इस बात का अंदाजा नहीं था कि मेरे फेस पर कितने कट्स लगे हैं। एक दिन मैंने खुद को बाथरुम के मिरर में देखा। उससे पहले मैं प्रकाश झा से कह रही थी कि चलिए शूटिंग करते हैं क्योंकि डॉक्टर्स मुझे देख चुके थे। उन्होंने कहा कि नहीं अभी रुको।

### बहुत मुश्किल समय था

महिमा ने आगे कहा, वो बहुत मुश्किल समय था क्योंकि मैं तब काफी यंग थी। अजय मुझे बार-बार समझाते थे कि सर्जरी के बाद सब ठीक हो जाएगा लेकिन मैं उनकी बात नहीं सुनती थी। मैं अन्य करियर ऑप्शन के बारे में सोचने लगी थी। आज भी मेरी एक आंख दूसरी आंख से छोटी है। मैं तब से कैमरा सामने से फेस नहीं करती, हमेशा कोई एंगल से अपना चेहरा छुपाने की कोशिश करती हूं। बता दें 1997 से 2002 तक महिमा का करियर बेहतरीन रहा। इस पीरियड में उन्होंने परदेस, दाग द फायर, धड़कन और कुरुक्षेत्र जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया।

## लैला-मजनू की शूटिंग के दौरान रोती थीं

## तृप्ति, बोलीं- एक्टिंग का 'ए' तक भी नहीं पता था

फिल्म एनिमल से तृप्ति डिमरी को इतनी ख्याति मिली है कि उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई है। फिल्म एनिमल में 'भाभी 2' के नाम से प्रसिद्ध हुईं तृप्ति की इस साल कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जो रोमांस, थ्रिलर, सस्पेंस और हॉरर से भरपूर होंगी। अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को लेकर चर्चा में चल रही हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने बताया कि 'लैला मजनू' की शूटिंग के दौरान वह घर जाकर रोती थीं। उन्होंने स्वीकार किया कि जब वह मुंबई आईं तो उन्हें अभिनय का 'ए' भी नहीं पता था। एक इंटरव्यू में, तृप्ति ने साझा किया कि उन्हें शुरू में अभिनय का कोई शौक नहीं था और उन्होंने इसे करियर विकल्प नहीं माना। अभिनेत्री ने कहा, मैं बस कुछ अलग करना चाहती थी। मैं कभी भी एकेडमिक में अच्छी नहीं थी। मैंने अपने माता-पिता से कहा कि मैं मॉडलिंग आजमाने जा रही हूं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उनके माता-पिता शुरू में उनके मुंबई जाने को लेकर काफी डरे हुए थे, खासकर क्योंकि वह एक शर्मीली, इंट्रोवर्ट थीं, जिन्होंने कभी दिल्ली से बाहर कदम नहीं रखा था। वे पहले इंडस्ट्री या मॉडलिंग में प्रवेश करने के उसके फैसले से भी खुश नहीं थे। फिर भी उन्होंने आगे बढ़ाने का फैसला किया ताकि बाद में उन्हें पछतावा न हो। तृप्ति ने बताया कि लैला-मजनू की शूटिंग के दौरान घर आकर रोती थीं। अभिनेत्री ने कहा, मैं घर जाकर रोती थी, यह सोचकर कि क्या मैं सही काम कर रही हूं? क्योंकि मुझे समझ नहीं आता था कि वे क्या कह रहे हैं या उनकी भाषा क्या है। उन्होंने आगे कहा कि उनका एक हिस्सा फिल्म छोड़ना चाहता था।

## 'बॉर्डर 2' में सुनील शेट्टी के बेटे अहान की एंट्री पक्की, सनी देओल ने पोस्ट साझा कर किया एलान

*वर्ष 1997 में आई फिल्म बॉर्डर का सीक्वल आ रहा है। निर्माता बॉर्डर 2 की तैयारियों में व्यस्त हैं और नए-नए सितारों का नाम इस फिल्म से जुड़ता जा रहा है। इस फिल्म में सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी के होने की चर्चा तेज थी। आज इन चर्चाओं पर मुहर लग गई है। खुद सनी देओल ने सोशल मीडिया पोस्ट साझा कर बॉर्डर 2 बटालियन में अहान का स्वागत किया है। सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा किया है। इसके साथ लिखा है, फिल्म बॉर्डर 2 बटालियन में फौजी अहान शेट्टी का स्वागत है। सनी देओल ने फिल्म का टीजर वीडियो भी जारी किया है। जिसे पार नहीं कर पाता दुश्मन, वह न तो कोई लकीर है, न दीवार न खाई। और क्या है यह? बस एक फौजी और उसके भाई। अहान शेट्टी ने भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा किया है। इसके साथ लिखा है, बॉर्डर सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह इससे कहीं अधिक है। यह एक विरासत है, एक भावना है। और इसी के साथ एक सपना सच हुआ है। अहान ने आगे लिखा, जीवन कितना विडंबनापूर्ण है। बॉर्डर के साथ मेरी यात्रा 29 साल पहले शुरू हुई थी, जब मां गर्भवती थीं।*

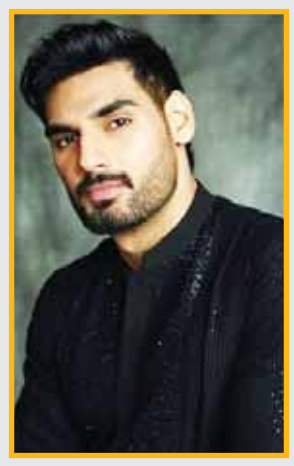

## जानिए... उपवास रखने से शरीर में क्या होते हैं बदलाव

**Life&Style METRO**

लोग नवरात्र को कई तरीकों से मनाते हैं जैसे-कई लोग इस दौरान 9 दिनों तक उपवास करते हैं. उपवास के दौरान लोग अनाज खाने से परहेज करते हैं. इसकी जगह फल और जूस पीते हैं. शारदीय नवरात्रि नौ दिनों तक चलने वाला त्यौहार है. जिसके दौरान पूरे भारत और दुनिया भर के भक्त देवी दुर्गा और उनके नौ दिव्य रूपों की पूजा करते हैं. हालांकि, लोग इस शुभ त्यौहार को कई तरीकों से मनाते हैं जैसे-कई लोग इस दौरान 9 दिनों तक उपवास करते हैं. उपवास के दौरान लोग अनाज खाने से परहेज करते हैं. इसकी जगह फल और जूस पीते हैं. यह आपके स्वास्थ्य या धार्मिक या नैतिक उद्देश्यों के लिए हो सकता है. लेकिन आपके उपवास का कारण चाहे जो भी हो. उपवास रखने वाले लोगों द्वारा बताई जाने वाली एक आम समस्या एसिडिटी है. हमने एक विशेषज्ञ से पूछा कि क्या दोनों एक दूसरे से जुड़े हुए हैं और लक्षणों को कम करने के लिए क्या किया जा सकता है.

### शरीर डिटॉक्स होता है

उपवास करने से शरीर नैचुरल तरीके से डिटॉक्स होता है. जब हम खाने से 10 दिन तक परहेज करते हैं तो शरीर अपने आप डिटॉक्स होने लगता है. इससे लिवर, किडनी और शरीर के दूसरे ऑर्गन भी नैचुरल तरीके से साफ होते हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक उपवास ऑटोफैगी को बढ़ावा देता है. यह एक ऐसा प्रोसेस जिसमें शरीर क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को खत्म करता है और स्वस्थ कोशिकाओं को फिर से बनाता है, जो पूरे शरीर के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. उपवास से चयापचय को बढ़ावा मिलता है.

### वजन और चर्बी घटाना

उपवास कैलोरी की मात्रा को सीमित करता है, इसलिए यह नैचुरल तरीके से वजन घटाने में सहायक हो सकता है. रिसर्च के अनुसार, रुक-रुक कर उपवास करने से मांसपेशियों के द्रव्यमान से समझौता किए बिना शरीर के वजन और शरीर की चर्बी में कमी आ सकती है. नवरात्रि का उपवास, जब सही तरीके से किया जाता है, तो आपको उन अतिरिक्त किलो को कम करने और स्वस्थ तरीके से वसा कम करने में मदद कर सकता है. शोध बताते हैं कि रुक-रुक कर उपवास करने से इंसुलिन में सुधार हो सकता है, जिससे शरीर के ब्लड में शुगर लेवल ठीक से काम करता है.

# भेलकर्मी के सूने मकान पर चोरों का धावा, मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पिपलानी में रहने वाले एक भेल कर्मचारी के सूने मकान पर चोरों ने धावा बोला और नकदी तथा जेवरात चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक वसीम अहमद (40) मूलतः जबलपुर के रहने वाले हैं। वह भेल कारखाने में नौकरी करते हैं और सिद्धार्थ नगर में किराए से रहते हैं। बीती 27 सितंबर को वसीम मकान पर ताला लगाकर मुंबई चले गए थे। उन्हें हज से लौट रहे अपने पिता को रिसीव करना था।

पिता को रिसीव करने के बाद वह अपने पैतृक घर जबलपुर चले गए। शुक्रवार वह भोपाल स्थित घर पहुंचे तो मकान का ताला टूटा मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चेक करने पर अलमारी रखे सोने-चांदी के जेवरात 15 हजार रुपये नकदी समेत अन्य सामान गायब था। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

# यात्रियों से आईफोन, बैग सहित हजारों का सामान चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दीवाली से पूर्व ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी है। इसी का फायदा उठाकर चोर भी सक्रिय हो गए हैं। सक्रिय चोरों ने सफर के दौरान दर्जनभर यात्रियों के आईफोन, बैग समेत हजारों का सामान चोरी किया है। एक महिला के गले से सोने की मंगलसूत्र चोरी हुआ है। जीआरपी ने सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भीड़भाड़ में महिला के गले से मंगलसूत्र चोरी

जानकारी के अनुसार अलीगढ़ उत्तर प्रदेश निवासी मोहन स्वरूप मंगला एक्सप्रेस से कनकावली से भोपाल आए थे। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक तीन पर उतरने के बाद देखा कि पैंट की जेब में रखा उनका आईफोन गायब है। चोरी गए फोन की कीमत 30 हजार रुपए बताई गई है। इधर प्रयागराज उत्तर प्रदेश निवासी धर्मेंद्र कुमार विश्वकर्मा मुंबई जानके लिए कामायनी एक्सप्रेस के जनरल कोच में सवार हुआ था। सीट पर बैग रखने के बाद वह बाथरूम चला गया। कुछ देर बाद वापस लौटा तो बैग गायब था। चोरी गए बैग में इस्तेमाली कपडे, आधार कार्ड, मोबाइल फोन समेत अन्य सामान रखा हुआ था। पुलिस ने चोरी गए मोबाइल की कीमत 10 हजार रुपए बताई है। इधर श्रीकाकुलम आंध्रप्रदेश निवासी रवींद्र साहू रिटायर्ड सैनिक हैं। पिछले दिनों वह एपी एक्सप्रेस में विशाखापट्टनम से ग्वालियर की यात्रा कर रहे थे। भोपाल रेलवे स्टेशन पर उनका सीट पर रखा बैग चोरी हो गया। चोरी गए बैग में पेंशन पेमेंट आर्डर, सेवा मुक्ति प्रमाण, सिविल नौकरी के लिए सिफारिस पत्र, बैंक की पासबुक, चश्मा समेत हजारों रुपये का सामान और दस्तावेज रखे हुए थे।

महिला के गले से मंगलसूत्र चोरी सीहोर निवासी रितु यादव पिछले दिनों परिवार के साथ जयपुर भोपाल एक्सप्रेस में उज्जैन से सीहोर की यात्रा कर रही थी। इस दौरान उन्होंने सोने का मंगलसूत्र पहन रखा था। कुछ समय बाद उनका ध्यान अपने गले पर गया तो पता चला कि सोने का मंगलसूत्र गायब है। भीड़भाड़ का फायदा उठाकर किसी ने उनका मंगलसूत्र चोरी कर लिया था। परिवार में धार्मिक कार्यक्रम होने के कारण वह उस वक्त रिपोर्ट दर्ज करवाने नहीं जा सकी थी। बाद में उन्होंने जीआरपी जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। चोरी गए मंगलसूत्र की कीमत करीब 20 हजार रुपये बताई गई है।

## वर्ष 2008 में हुई थी शादी, मायके पक्ष को नहीं मिलने देता था ससुराल पक्ष

# महिला थाना पुलिस ने रेस्क्यू कर 16 साल से बंधक बनाकर रखी महिला को छुड़ाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

महिला थाना पुलिस ने 16 साल से ससुराल में बंधक बनाकर रखी गई महिला का रेस्क्यू किया है। महिला की हालत गंभीर है। शारीरिक कमजोरी देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि उसे कोई गंभीर बीमारी है और उसे ठीक से खाना नहीं दिया गया है। पुलिस ने दावा किया कि अभी महिला को बंधक बनाकर रखने की सही वजह पता नहीं चल सकी है। आरोप महिला के पति, सास-ससुर पर हैं। पुलिस जांच के बाद मामला दर्ज करने का दावा कर रही है।

महिला थाना प्रभारी शिल्पा कौरव ने बताया कि नरसिंहपुर निवासी किशन लाल साहू की बेटी रानू साहू की शादी 2006 में जहांगीराबाद में हुई थी। वर्ष 2008 के बाद से उन्हें बेटी के ससुराल पक्ष ने उनसे मिलने नहीं दिया। ससुराल पक्ष बेटी को

प्रताड़ित कर रहे हैं। उसे बंधक बनाकर रखा था। इसकी जानकारी पड़ोसियों के माध्यम से मायके पक्ष को लगी। इसके बाद मायके पक्ष ने महिला थाना पुलिस को शिकायती आवेदन दिया। शनिवार शाम पुलिस रानू के ससुराल पहुंची। महिला घर के अंदर एक कमरे में पलंग पर पड़ी मिली। कमजोरी की वजह से बोल नहीं रही थी। पुलिस ने रेस्क्यू कर उसे इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। उसका इलाज चल रहा है।

### बीमारी का इलाज नहीं कराया

पुलिस को महिला के पति ने बताया कि वह बीमार रहती थी। सालभर पहले तक उसने इलाज कराया। इलाज में उसके कोई आराम नहीं मिला। घर की आर्थिक स्थित ठीक नहीं होने की वजह से वह इलाज कराना बंद कर दिया। बीमारी बढती गई। इससे पत्नी काफी कमजोर हो गई। हालांकि, पति ने इलाज के अब तक कोई दस्तावेज नहीं दिए हैं। जिससे कि यह साबित हो सके कि वह इलाज करा रहा था। महिला थाना प्रभारी ने बताया कि रेस्क्यू की गई महिला का पति कॉस्मेटिक की दुकान चलाता है। बेटा-बेटी बाहर हैं। महिला की उम्र करीब 38 साल है। पुलिस महिला के बच्चों के संपर्क करने का प्रयास कर रही है। जिससे कि हकीकत पता चल सके। पुलिस सास-ससुर के भी बयान दर्ज करेगी।

### रिक्शे से टकराकर बाइक सवार घायल

गौतम नगर इलाके में एक इलेक्ट्रिक रिक्शे से टकराकर बाइक सवार युवक घायल हो गया। युवक ने रिक्शा चालक को ठीक से वाहन चलाने की समझाईश दी तो उसने अपने साथी के साथ मिलकर युवक से मारपीट कर दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एक्सीडेंट और मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक ऋषभ पचौरी (23) नारियलखेड़ा थाना गौतम नगर में रहता था और पोस्ट आफिस में काम करता है। शुक्रवार दोपहर करीब पौने बारह बजे वह करोंद मंडी से अपने घर लौट रहा था।

## हादसा या आत्महत्या:

# आज पीएम के बाद मायके पक्ष के होंगे बयान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गुनगा कस्बे में शनिवार दोपहर चौदह महीने के बच्चे के साथ कुएं में गिरकर नव विवाहिता की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद कुएं से लाश बाहर निकाल पीएम के लिए भेज दी है। ससुराल पक्ष से प्रारंभिक पूछताछ में मामला हादसे से जुड़ा नजर आ रहा है। ससुराल पक्ष का कहना है कि सीताफल तोड़ते समय बैलेंस बिगड़ने वह कुएं में गिरी है। जबकि ससुराल पक्ष के अभी बयान नहीं हो सके हैं। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग जांच एसडीओपी बैरसिया को सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार नलखेड़ा, बैरसिया निवासी 27 साल की संगीता कुशवाह की शादी तीन साल पूर्व गुनगा निवासी सुनील कुशवाह से हुई थी। सुनील कुशवाह खेती किसानी करता हैं और गुनगा कस्बे में उसका मकान है।

मकान में खेत में बना है। मकान से कुछ दूरी पर बिना मुंडेर का कुआं है। इसी कुएं के पास सीताफल का पेड़ लगा हुआ है और वहीं चबूतरा बना है। चबूतरे पर पूजा पाठ की जाती है। संगीता के ससुर बाबूलाल कुशवाह ने बताया कि प्रतिदिन सुबह नहाने के बाद बहू कुएं के पास चबूतरे पर जाती थी, वहां पूजा पाठ करती थी। शनिवार को वह दोपहर करीब बारह बजे के आसपास चबूतरे पर 14 महीने के बेटे नितिन के साथ पहुंची। कुछ देर बाद उन्हें पानी में गिरने की आवाज और चीख सुनाई दी। वे परिवार के साथ कुएं पर पहुंचे तो संगीता की एक चप्पल कुएं में पड़ी नजर आई, जबकि दूसरी चप्पल बाहर पड़ी थी।

### मोटर से खाली कराया कुआ

बाबूलाल के परिवार ने आसपास लोगों को सूचना दी और पुलिस को भी सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कुएं का पानी खाली कराया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने संगीता और नितिन का शव बाहर निकाल लिया गया।

### आज पीएम के बाद सौंपा जाएगा शव

संगीता और नितिन के शव पीएम के लिए मचूर्री में रखवा दिए गए है। रविवार को शवों के पीएम कराने के बाद परिजन को सौंपे जाएगे। ससुर बाबूलाल कुशवाह का कहना है कि बहू कुएं के पास लगे सीताफल के पेड़ से सीताफल तोड़ते समय गिरी है। मायके पक्ष के अभी बयान नहीं हो सके हैं। पीएम के बाद पुलिस ने मायके पक्ष के बयान दर्ज करेगी। पुलिस आत्महत्या और हादसा दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है।

### पिता-पुत्र को टक्कर मारने के बाद पलटा रिक्शा

**भोपाल।** टीला जमालपुरा इलाके में पैदल जा रहे पिता-पुत्र को रिक्शा चालक ने टक्कर मार दी, जिससे रिक्शा पलट गया। पुलिस ने अज्ञात रिक्शा चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक जयकिशन (52) करोंद निशातपुरा में रहते हैं और शाहजहांनाबाद में चाट की दुकान चलाते हैं। दो दिन पहले वह दुकान बंद कर रात में पैदल अपने बेटे मनोज के साथ घर लौट रहे थे। बैरसिया बस स्टैंड के पास मछली मार्केट पहुंचे तभी इस्लामी गेट की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार इलेक्ट्रिक रिक्शा चालक ने दोनों को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद पिता-पुत्र गिरकर घायल हो गए, जबकि रिक्शा पलट गया। रिक्शा चालक ने घायल पिता-पुत्र को उसी रिक्शे में बिठाकर डीआईजी बंगला स्थित अस्पताल के सामने छोड़कर भाग निकला।

### क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

# सस्ते में गांजा खरीदकर महंगे दाम पर बेचता था तस्कर, गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

क्राइम ब्रांच पुलिस ने एमपी नगर जोन-एक से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से 9 किलो 610 ग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत 1 लाख अस्सी हजार रुपए है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह बायपास रोड से एक ट्रक ड्रायवर से सस्ते दाम में गांजा खरीदता था और महंगे दाम में बेचकर मुनाफा कमाता था। अब पुलिस उस ट्रक ड्राइवर की तलाश कर रही है, जिससे वह गांजा खरीद रहा था।

जानकारी के अनुसार तीन अक्टूबर को सूचना मिली कि एमपी नगर जोन-एक में वाइन शॉप के सामने मैदान पर

एक व्यक्ति बोरी में अवैध गांजा लेकर खड़ा है। सूचना पर हरकत में आई क्राइम ब्रांच की टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। संदिग्ध को हिरासत में लेकर तलाशी ली गई। इस दौरान उसके पास बोरी में रखा 9 किलो 610 ग्राम गांजा मिला। आरोपी का नाम हरिनारायण श्रीवास्तव निवासी बैंक के पास ग्राम बिलखिरिया बताया गया है। जब्त की कीमत एक लाख 80 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस ने नारकोटिक्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने गांजा बायपास से एक ट्रक ड्रायवर से सस्ते दाम में खरीदा था और महंगे दाम में बेच देता था।

### मर्सडीज ने ओला कार को मारी टक्कर

**भोपाल।** कोहेफिजा स्थित वीआईपी रोड पर एक तेज रफ्तार मर्सडीज ने आगे जा रही ओला कार को टक्कर मार दी, जिससे ओला कार आगे चल रही दूसरी कार से टकरा गई। पुलिस के मुताबिक दिलबाग सिंह (27) ग्राम खेजड़ा बरामद छोला मंदिर में रहते हैं और अपनी कार ओला टैक्सी में चलाते हैं। शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे वह न्यू मार्केट से बैरागढ़ की तरफ जा रहे थे। वीआईपी रोड स्थित होटल नूर उस सबाह के सामने पहुंचे, तभी पीछे से आ रही काले रंग की मर्सडीज कार ने उनकी कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दिलबाग की कार आगे चल रही दूसरी कार से टकरा गई। इस हादसे में उन्हें कोई चोट नहीं आई, लेकिन कार का अगला ओर पिछला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर मारने के बाद मर्सडीज कार चालक अपनी कार को रिवर्स लेकर भाग निकला।

# नाबालिग से 40 साल के युवक ने की छेड़छाड़, विरोध करने पर पीटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

छोला मंदिर थाना क्षेत्र में 14 साल की किशोरी से 40 साल के युवक द्वारा छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। किशोरी ने उसका विरोध किया तो उसने किशोरी से गालीगलौज करते हुए मारपीट भी की है। इसी प्रकार निशातपुरा पुलिस ने एक नाबालिग की शिकायत पर उसके चाचा के खिलाफ छेड़छाड़ और पाक्सो एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया।

### मेट्रो एंकर

### 3-4 दिन पुरानी होने के कारण हो चुकी थी डिकंपोज

# हलाली नदी में बंद बोरी में मिली महिला की लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ईटखेड़ी पुलिस ने हलाली नदी से शनिवार सुबह बोरी में बंद महिला की लाश बरामद की है। लाश तीन से चार दिन पुरानी होने के कारण डिकंपोज होने लगी थी। बंद बोरी में लाश होने के कारण हत्या की आशंका जताई जा रही है। शरीर पर मंगलसूत्र और अन्य जेवर हैं। पुलिस ने लाश पीएम के लिए भेज दी है। मृतिका की शिनाख्त नहीं की जा सकी है। पुलिस ने मृतिका का हुलिया आसपास के जिलों के थानों में भेज दिया है।

थाना प्रभारी दुर्जन सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह सूचना मिली थी कि ग्राम अगरिया स्थित हलाली नदी के किनारे झाड़ियों में एक बोरी फंसी हैं और संभवतः उसमें किसी की लाश है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने नदी

नहीं हो सकी शिनाख्त

किनारे झाड़ियों में फंसी प्लास्टिक की बोरी को बाहर निकलवाया। बोरी को अच्छी तरह से बांधा गया था। खोलने पर उसमें से एक महिला की लाश मिली। तीन से चार दिन पुरानी होने के कारण लाश काफी हद तक डिकंपोज हो चुकी थी। शरीर पर कहीं चोट के निशान नजर नहीं आए। महिला काली साड़ी और सफेद छींटे वाला काला ब्लाउज है उसकी उम्र करीब 35 से 40 साल के आसपास होगी। शरीर पर पायल, बिछिया, मंगलसूत्र व ब्लाउज समेत अन्य आभूषण थे। हुलिया देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि महिला विवाहित है। महिला के पैरों पर महावर लगा है। उसके हाथ भी महावर से लाल रंगे हुए हैं।

संभावना व्यक्त की जा रही है कि महिला किसी उत्सव में शामिल होने की तैयारी कर रही थी। महिला के दाहिने हाथ पर हिन्दी में शुभम अंकुश गंगाराम गुदा हुदा हुआ है जबकि नाम के पास ही एक दिल बना है। दिल में अंग्रेजी में जीएस गुदा है। थाना प्रभारी का कहना है कि शिना ती के प्रयास किए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण सामने आ सकेंगे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022